UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत वेब न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-176 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) सोमवार 08 जून 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी में 27 लाख से ज्यादा बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी बनी 'कन्या सुमंगला योजना'

जन्म से लेकर कॉलेज की पढ़ाई तक आर्थिक ढाल

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की 'आधी आबादी' को सुरक्षित, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास अब जमीनी धरातल पर एक नई सामाजिक क्रांति का रूप ले चुके हैं। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' आज प्रदेश की लाखों बेटियों के लिए आर्थिक सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी बनकर उभरी है। यह योजना बालिकाओं के जन्म से लेकर उनकी उच्च शिक्षा तक के सफर में वित्तीय बाधाओं को दूर कर उन्हें समाज में सम्मानजनक स्थान दिला रही है।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाए गए इन कदमों का प्रभाव अब सरकारी आंकड़ों में भी साफ नजर आने लगा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक उत्तर प्रदेश की 27,37,703 बालिकाओं को सीधे तौर पर लाभान्वित किया जा चुका है। यही नहीं, पूरी पारदर्शिता के साथ 674.15 करोड़ रुपये की भारी-भरकम धनराशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। यह बड़ी उपलब्धि दर्शाती है कि बेटियों के सर्वांगीण विकास को लेकर योगी सरकार कितनी गंभीर और प्रतिबद्ध है। योगी सरकार ने इस योजना को पूरी तरह से पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए आधुनिक डिजिटल तकनीक का सहारा लिया है। योजना का पूरा ढांचा एक विशेष ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संचालित हो रहा है, जिसने आवेदन की जटिल प्रक्रिया को बेहद सरल बना दिया है। पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के एकीकरण से सहायता राशि बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सीधे पात्र लाभार्थियों के खाते में पहुँचती है। इस पारदर्शी डिजिटल व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। वर्ष 2019 में शुरू हुई यह योजना बालिकाओं के जीवन के छह सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों पर आर्थिक संबल प्रदान करती है। योजना के संशोधित नियमों के तहत अब बेटियों को कुल 25,000 की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसमें बच्ची के जन्म लेते ही 5,000, एक वर्ष के पूर्ण टीकाकरण पर 2,000, कक्षा-1 में प्रवेश पर 3,000, कक्षा-6 में 3,000, कक्षा-9 में प्रवेश पर 5,000 और हाईस्कूल/इंटरमीडिएट के बाद डिग्री या डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लेने पर 7,000 की राशि दी जाती है। यह चरणबद्ध मदद गरीब परिवारों पर बेटी की पढ़ाई के बोझ को खत्म कर रही है। महिला कल्याण विभाग की निदेशक सी. इन्दुमती ने योजना की सफलता को रेखांकित करते हुए कहा, 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना प्रदेश की बेटियों के सशक्तीकरण की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी पात्र बालिका इस लाभ से वंचित न रहे। यह योजना सिर्फ एक आर्थिक सहायता मात्र नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति वर्षों से चली आ रही नकारात्मक सोच को बदलकर एक सुरक्षित और समृद्ध परिवेश का निर्माण करना है

राम मंदिर से करोड़ों की रकम गायब, अखिलेश यादव का दावा

बोले- ट्रस्ट के लिए शर्मनाक है

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गये। साथ ही इसे ट्रस्ट के लिए शर्मनाक बताया है। इससे पहले अखिलेश यादव ने बढ़ती महंगा को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में मंहगाई बेलगाम हो गई है। भाजपा निर्मित मंहगाई से जनता त्रस्त है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 29 रुपये बढ़ाकर भाजपा सरकार ने जनता को मंहगाई का एक और डोज दे दिया है। आम जनता मंहगाई से कराह रही है। पिछले तीन महीने में घरेलू गैस सिलेंडर 89 रुपये मंहगा हो गया है। डबल इंजन सरकार प्रदेश की जनता को दोनों हाथों से लूट रही है।

अखिलेश ने एक बयान में कहा कि कामर्शियल सिलेंडर की कीमतें हजार रुपये से ज्यादा बढ़ चुकी है। डीजल, पेट्रोल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भाजपा सरकार को गरीबों, मध्यम वर्गों और आम जनता की कोई चिंता नहीं, भाजपा सिर्फ अपने पूंजीपति मित्रों के मुनाफा और लाभ बढ़ाने की तिकड़म में जुटी रहती है। भाजपा की नीतियां गरीब विरोधी और पूंजीपरस्त हैं। भाजपा पूंजीपतियों के लिए काम करती है। उन्होंने कहा कि मंहगाई कम करने के भाजपा के वादों की हकीकत सामने आ गई है। भाजपा से हर वर्ग की आस टूट गई है। प्रदेश सरकार बिजली की कीमत बढ़ाती है। सपा चीफ ने आगे कहा कि स्मार्ट मीटर लगाकर बिल बढ़ाकर लूट करती है, तो दिल्ली की सरकार डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस व अन्य चीजों के दाम बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है। डीजल, पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से परिवहन से लेकर खाना-पीना सब महंगा हो गया है। बेरोजगारी चरम पर है। व्यापार कारोबार सब चौपट हो रहा है। खेती का लागत मूल्य बढ़ रहा है, लेकिन भाजपा की संवेदनहीन सरकार को जनता पर थोड़ी भी तरस नहीं आ रही है।

सुर्खियां.............

अपराध के विरुद्ध तत्पर कुठौंद पुलिस ने महिला के दो खोए कीमती मोबाइल बरामद कर किया गुड वर्क

(यंग भारत न्यूज)

उरई ।जनपद की कुठौंद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला के खोए हुए दो मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें सकुशल वापस सौंप दिया। पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही से महिला ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

घर में घुसकर मारपीट व जंजीर लूट के मामले में कोर्ट के आदेश पर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। चार माह पूर्व चार लोगों ने हाथ में तमंचा, लाठी डंडे लेकर घर में घुसकर युवक के साथ मारपीट करने और बचाने गई मां को तमंचा दिखाकर उसकी जंजीर छीन ले जाने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औरेखी निवासी सुनीता तिवारी ने न्यायालय को बताया था कि बीती 18 फरवरी 2026 को शाम करीब छह बजे वह अपने घर पर थी।

मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता कराया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पति-पत्नी के विवाद का मामला कोतवाली पहुंचा। जहां मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता करा दिया। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खटीकान निवासी नाजिया ने पुलिस को बताया कि उसके पति अफजल उसके साथ मारपीट करते हैं। शनिवार की शाम भी उन्होंने उसके साथ मारपीट की। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी संजय यति सक्रिय हुए। पति अफजल को बुलाया।

लखनऊ में एक महीने में 10 मर्डर से मचा हड़कंप

नवाबों की नगरी में कानून व्यवस्था पर उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मई माह अपराध के लिहाज से काफी चिंताजनक और खौफनाक रहा. मई महीने में शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई हत्या की ताबड़तोड़ वारदातों ने न केवल आम जनता के मन में गहरे भय का माहौल बना दिया, बल्कि स्थानीय कानून-व्यवस्था को लेकर भी कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं. लगातार सामने आई हत्या की इन वारदातों ने पुलिस की कार्यशैली और अपराध नियंत्रण के उनके बड़े-बड़े दावों की जमीनी हकीकत पर सवालिया निशान लगा दिए हैं.मई माह में व्यक्तिगत रंजिश, पुरानी दुश्मनी, संपत्ति विवाद और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित कई ऐसी हत्याएं हुईं, जिनमें से कुछ घटनाएं हफ्तों तक शहर में भारी चर्चा का विषय बनी रहीं. देखिए आशुतोष सहाय के संपादन के साथ संवाददाता प्रशांत मिश्र की विशेष रिपोर्ट. दिनदहाड़े वारदातों ने दी पुलिस को चुनौती: ज्यादातर मामलों में लखनऊ पुलिस ने त्वरित विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपियों को मुठभेड़ या दबिश के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. इसके विपरीत कुछ ऐसी भी जघन्य घटनाएं हुईं, जिनसे पूरी राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं. खासकर युवाओं और नामचीन व्यापारियों से जुड़ी हत्याओं ने पूरे समाज और मीडिया का ध्यान अपनी ओर विशेष रूप से आकर्षित किया. कुछ दुस्साहसिक वारदातों को बेखौफ अपराधियों ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में दिनदहाड़े अंजाम देकर पुलिस प्रशासन को सरेआम खुली चुनौती दी थी. अपराध नियंत्रण में कमजोर दिखी कमिश्नरेट पुलिस: इस पूरे विवाद पर पुलिस अधिकारियों का दावा है कि अधिकांश मामलों का समय रहते सफल खुलासा कर सभी नामजद आरोपियों को जेल भेज दिया गया है. लेकिन सजग नागरिकों का सवाल अपराधियों के खिलाफ घटना के बाद होने वाली कार्रवाई से न होकर, बल्कि मूल रूप से अपराध की रोकथाम का है, जिसमें पुलिस का तंत्र काफी कमजोर नजर आ रहा है. हालांकि, कानून के एक्सपर्ट्स का इस संबंध में कहना है कि कई आकस्मिक घटनाएं जो अचानक उपजे तीव्र आवेश में कारित की जाती हैं, उन्हें पूरी तरह रोकना किसी भी पुलिस के लिए संभव नहीं है. ऐसी तात्कालिक घटनाएं समाज में होती रहेंगी और इनके विरूद्ध सुरक्षित रहने के लिए आम लोगों को स्वयं भी काफी सजग और सतर्क रहना पड़ेगा. संगठित अपराध रोकने की जिम्मेदारी पुलिस की: दूसरी तरफ क्रिमिनल एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि शहर में किसी भी प्रकार के संगठित अपराध की पूर्ण रोकथाम के लिए सीधे तौर पर केवल पुलिस ही पूरी तरह जिम्मेदार है. यदि इस प्रकार के मामलों में ढीली पैरवी के कारण हत्या जैसी बड़ी घटनाएं होती हैं, तो इसके लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार मानना बिल्कुल गलत नहीं होगा. इस सब प्रशासनिक खींचतान के बीच लखनऊ में मई माह में हुईं लगातार हत्या की वीभत्स घटनाओं ने आम नागरिकों के मन में अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर भारी चिंता और बेचैनी बढ़ा दी है. सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता वर्षा सिंह का कहना है कि राजधानी में तेजी से बढ़ती अनियंत्रित आबादी, बाहरी आपराधिक गिरोहों की सक्रियता और आपसी विवादों के हिंसक रूप अख्तियार करने की वजह से ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ती हैं.मामूली विवाद में जा रही लोगों की जान: पुलिस का लगातार कहना है कि पेशेवर अपराधियों के खिलाफ निरंतर विशेष अभियान चलाकर बेहद सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है. लेकिन जनता का तर्क है कि यदि वास्तव में जमीनी स्तर पर ऐसा कड़ा पहरा होता, तो पीजीआई थाना क्षेत्र में हुए चर्चित संदीप सिंह हत्याकांड को आसानी से रोका जा सकता था. अगर स्थानीय पुलिस अपराधियों और गश्त को लेकर रात में गंभीर होती और पुलिस को आम जनता की सुरक्षा की रत्ती भर भी चिंता होती, तो विभूतिखंड थाना क्षेत्र में मात्र एक सिगरेट की खरीद के दौरान हुए मामूली विवाद में एक होनहार युवक की जान सरेआम नहीं जाती. इस हृदयविदारक घटना से साफ साबित होता है कि वीआईपी इलाकों की चमचमाती सड़कों पर भी पुलिस आम जनता को बुनियादी सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम नजर आ रही है. पुलिस को पहुंचना होगा अपराध की जड़ों तक: हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता वीर बहादुर सिंह ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी महत्वपूर्ण कानूनी राय देते हुए बताया कि मई माह की इन लगातार हत्या की घटनाओं ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि केवल अपराध होने के बाद त्वरित पुलिसिया कार्रवाई करना ही काफी नहीं है. पुलिस को हर हाल में अपराध और अवैध असलहों की मुख्य जड़ों तक पहुंचना होगा

शिक्षा विभाग में सरकारी धन का गबन करने वाला क्या है नया नटवर लाल?

क्या सच मे शिक्षक विकास मिश्रा ने सरकार को धोखा देकर निकाला है 3 संस्थाओं से वेतन?

- शिक्षा विभाग में जालसाजी का बहुत बड़े जाल का फूटा भंडा?
- सरकारी फण्ड के गोरख धंधे के बड़ा खिलाड़ी अर्जित धन की ताकत से नही होने दे रहा अपने खिलाफ एफआईआर
- दो पैन कार्ड और तीन संस्थाओं से वेतन: जालसाज शिक्षक के खिलाफ FIR की मांग, पीएमओ और सीएम कार्यालय से मांग

(राजधानी संवाददाता)

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ/उत्तर प्रदेश के शिक्षा जगत में व्यवस्थित वित्तीय गबन और जालसाजी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। अकबरपुर महाविद्यालय, कानपुर देहात के बी.एड. विभाग में कार्यरत रहे प्रवक्ता डॉ. विकास मिश्रा पर दो अलग-अलग पैन कार्ड रखने, एक ही समय में तीन-तीन संस्थाओं में कार्य करने और उत्तर प्रदेश सरकार के राजकीय कोष से दोहरा वेतन आहरित कर लाखों रुपये की सीधी वित्तीय क्षति पहुँचाने के गंभीर आरोप प्रमाणित हुए हैं।

इस पूरे सुनियोजित घोटाले का भंडाफोड़ करने वाले मूल शिकायतकर्ता सलिल कुमार तिवारी (निवासी सिटी सेंटर, स्टेशन रोड, उरई, जालौन) ने 6 जून 2026 को माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक औपचारिक पत्र लिखा है। उन्होंने आरोपी शिक्षक के खिलाफ तत्काल नामजद प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर आपराधिक कार्यवाही (Criminal Proceedings) शुरू करने की मांग की है।

जांच में प्रमाणित हुई जालसाजी: एक ही समय में दो विभागों से उठाया वेतन शासकीय जांच समिति की विस्तृत रिपोर्ट और आयकर विभाग के स्नश्रहृद्व 26स् के साक्ष्यों से यह पूरी तरह साफ हो चुका है कि डॉ. विकास मिश्रा ने विभाग से सत्य छुपाकर गंभीर धोखाधड़ी की है:

दो विभागों में एक साथ नौकरी: आरोपी डॉ. विकास मिश्रा की नियुक्ति 20 नवंबर 2002 को बेसिक शिक्षा विभाग, मैनपुरी में सहायक अध्यापक के पद पर हुई थी, जहां उन्होंने जुलाई 2014 तक लगातार अध्यापन कार्य किया।

महाविद्यालय में अवैध नियमितीकरण: इसी अवधि के दौरान, उन्होंने तथ्यों को छुपाकर और साठगांठ कर 23 अगस्त 2003 से अकबरपुर महाविद्यालय, कानपुर देहात में बी.एड. प्रवक्ता के रूप में भी कार्यभार ग्रहण कर लिया और वहां से भी लगातार वेतन प्राप्त करते रहे।

दो अलग-अलग पैन कार्ड का खेल: आयकर विभाग के दस्तावेजों (Form 26AS) के अनुसार, आरोपी शिक्षक दो अलग-अलग पैन कार्ड— AOAPM146D (जिस पर इछाया एजुकेशनल टस्ट से वेतन दर्ज है) और ASQPM8526N (जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मैनपुरी और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, कानपुर से वेतन दर्ज है) का इस्तेमाल कर समानांतर रूप से सरकारी खजाने को चूना लगा रहा था।

इस धोखाधड़ी की पुष्टि होने पर उच्च शिक्षा निदेशालय ने 28 मई 2025 को डॉ. विकास मिश्रा के नियमितीकरण को रद्द (शून्य) कर दिया था। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, मैनपुरी (दीपिका गुप्ता) ने भी 22 दिसंबर 2025 को उनकी सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार, आरोपी ने केवल मैनपुरी से ही 15,29,492 (पन्द्रह लाख उनतीस हजार चार सो बानवे) रुपये की धनराशि जालसाजी से आहरित की।

तकनीकी स्टे की आड़ में बचने का प्रयास: शिकायतकर्ता का कानूनी तर्क

वर्तमान में, डॉ. विकास मिश्रा ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय से तकनीकी और प्रक्रियात्मक आधारों (जैसे विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई का पूर्ण न होना) का लाभ उठाते हुए सेवा समाप्ति के आदेशों के खिलाफ अंतरिम रोक (Interim Stay) प्राप्त कर ली है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में शिकायतकर्ता सलिल कुमार तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट के दो दर्जन से अधिक ऐतिहासिक फैसलों (जैसे स्टेट ऑफ राजस्थान बनाम बी.के. मीणा, एम.एस. शरीफ बनाम स्टेट ऑफ मद्रास, और देवेन्द्र कुमार बनाम स्टेट ऑफ यूपी) का हवाला देते हुए मजबूत कानूनी पक्ष रखा है:

स्थापित विधिक सिद्धांत: 'सिविल या रिट कोर्ट द्वारा विभागीय बर्खास्तगी (Termination Letter) पर दिया गया स्टे केवल सेवा स्थिति को बनाए रखने की एक अंतरिम व्यवस्था है। यह जालसाजी के अपराध को क्लीन चिट नहीं देता। देश के स्थापित विधि सिद्धांतों के अनुसार, 'धोखाधड़ी हर कानूनी प्रक्रिया को दूषित कर देती है' (Fraud vitiates everything)। प्रशासनिक आदेशों पर लगा स्टे किसी भी स्थिति में भारतीय न्याय संहिता (BNS) या IPC के तहत धोखाधड़ी, गबन और जालसाजी जैसे गंभीर संज्ञेय अपराधों (Cognizable Offense) पर FIR दर्ज करने के पुलिस व विभाग के मूल क्षेत्राधिकार को नहीं रोक सकता।'

PMO और सीएम योगी से मुख्य मांगें

समाज और राजकीय सेवा में लगे अन्य तत्वों के बीच एक कड़ा संदेश देने के लिए शिकायतकर्ता ने शासन से दो मुख्य बिंदुओं पर तत्काल हस्तक्षेप की प्रार्थना की है:

तत्काल नामजद FIR : उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग को कड़े निर्देश देकर डॉ. विकास मिश्रा के विरुद्ध संबंधित पुलिस थाने में तुरंत नामजद प्राथमिकी दर्ज कराकर आपराधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मजबूत जवाबी हलफनामा (Counter Affidavit): उच्च न्यायालय में चल रहे दोनों वादों में जांच समिति के समस्त अकाट्य साक्ष्यों को प्रस्तुत करते हुए एक सुदृढ़ जवाबी हलफनामा दाखिल किया जाए, ताकि आरोपी का स्थगन आदेश (Stay) जल्द से जल्द खारिज हो सके। सरकारी धन के इस बड़े और संगठित गबन के मामले में अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री कार्यालय और उच्च शिक्षा निदेशालय इस पर कितनी त्वरित और दंडात्मक आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

यंग भारत

क्षेत्र में विकास कार्यों की सराहना, विधायक को स्वर्ण मुकुट व तुलादान कर किया गया सम्मानित

-क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नही छोडेगे- विधायक

(यंग भारत न्यूज)

कोंच एमएसडी महाविद्यालय तीतरा के मैदान में आयोजित माधौगढ़ विधानसभा प्रीमियम लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान विधायक मूलचंद्र निरंजन का भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम में एमएसडी महाविद्यालय परिवार ने विधायक का 88 किलो सिक्कों से तुलादान कर उनका अभिनंदन किया। इसके साथ ही उन्हें तीन स्वर्ण मुकुट पहनाकर विशेष सम्मान प्रदान किया गया ।इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, क्षेत्रीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक मूलचंद्र निरंजन ने खेलों को युवाओं के व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करती हैं। उन्होंने क्षेत्र में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिलाया।

तुलादान कार्यक्रम में महाविद्यालय की अध्यक्ष मीरा देवी, प्रबंधक शिवप्रसाद निरंजन, संरक्षक विजय सिंह, कोषाध्यक्ष हरिमोहन, सरदार पटेल और इंद्रपाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई। वहीं स्वर्ण मुकुट पहनाकर सम्मान करने वालों में शिरोमणि सिंह, दारा, श्याम सुंदर, अनुराग सिंह और अशोक कुमार समेत कई गणमान्य लोग शामिल रहे ।पूरे आयोजन के दौरान उत्साह का माहौल देखने को मिला। विधायक के सम्मान में उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम मे न केवल क्रिकेट टूर्नामेंट की गरिमा बढ़ाई, बल्कि क्षेत्र में खेल के साथ साथ सामाजिक एकता का भी संदेश दिया।

बाइक चोरी की घटना पर अज्ञात चोर पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 7 जून । नगर में तीन दिन पूर्व अपाचे गाड़ी चोरी की घटना को लेकर पीड़ित की तहरीर पर कालपी पुलिस ने अज्ञात चोर खिलाफ जुर्म धारा 303(2) के तहत मुकदमा कायम कर विवेचना टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र को जांच सौंपी। जनपद कानपुर देहात कस्बा अकबरपुर निवासी विमल पुत्र सुरेश मैं 4 जून को परिवार लोगों को अपाचे नंबर यूपी 78एचबी 7058 बाहन पर बैठाकर चौरासी गुंबद देखने आए थे वही अपाचे गाड़ी को हाईवे के किनारे खड़ी कर दी थी हम सभी परिवार के लोग चौरासी गुम्बद देखने चले गए ऐतिहासिक इमारत को देखने में टाइम लगा जब तक हम लोग जहां पर हमने अपना बाहन खड़ा किया था उस घटना स्थल में हम पहुंचे तो हमारे अपाचे बाहन को अज्ञात चोर लेकर रफूचक्कर हो गए कई जगह तथा रिश्तेदारों से पूछताछ की फिर भी चोरी गया बाहन अभी तक नहीं मिला पीड़ित ने प्रभारी निरीक्षक से मांग की है की चोरी गया अपाचे बाहन को उपलब्ध कराई जाने की न्याय की गुहार लगाई।

पत्नी की मारपीट पर पति गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 7 जून ।ज्ञान भारती छौक चौकी उप निरीक्षक सूरजपाल सिंह पुलिस बल के साथ रविवार के दिन क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वहीं झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम सौहरापुर निवासी जाकिर पुत्र मोहम्मद फकीरे अपनी पत्नी को गाली गलौज करके मारपीट कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ जुर्म धारा 170 126 135 तहत चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में प्रस्तुत किया।

पत्नी की मारपीट पर पति गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 7 जून ।एक ग्राम में पति को पत्नी की मारपीट करना महंगा पड़ा वही उप निरीक्षक ने गिरफ्तार कर शांति भंग के आरोप में अभियुक्त को जेल भेजा।

खबर के मुताबिक कोतवाली कालपी उप निरीक्षक दयाशंकर यादव पुलिस बाल साथ रविवार के दिन क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे वही झगड़े की सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने ग्राम देवकली निवासी छोटे उर्फ़ बाबू पुत्र ओमप्रकाश अपनी पत्नी को गाली गलौज कर झगड़ा कर रहा था तभी पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया उक्त घटना में कालपी पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ जुर्म धारा 170 126 135 तहत चालानी रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर जेल भेजा।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 7 जून ।चौकी प्रभारी ने नगर में भ्रमण दौरान एक बाहरी जनपद के युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया साथ में 315 बोर तमंचा तथा तीन कारतूस जिंदा बरामद किए।

पुलिस के मुताबिक कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के कुशल निर्देशन में टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र सिपाही अभिषेक यादव पुलिस बल के साथ रविवार को गस्त कर रहे थे वही मुखबिर की सूचना पाकर शास्त्री फैक्ट्री के पास पहुंचकर जनपद मैनपुरी थाना करहल स्टेट बैंक समीप जिहार निवासी रोहित उर्फ पुली पुत्र करण सिंह को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर कोतवाली के हवालात में बंद किया वहीं तमंचा एवं जिंदा कारतूस बरामद किए उक्त घटना में कालपी पुलिस ने चौकी प्रभारी की तहरीर पर अभियुक्त के खिलाफ जुर्म धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा का यम कर विवेचना उप निरीक्षक रामजीलाल को जांच सौपी।

जालौन पुलिस ने कर लिया किशोरी से छेड़खानी मामले का आरोपी गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।लगभग 25 दिन पूर्व गांव में स्थित नल पर पानी भरने गई एक किशोरी के साथ गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा छेड़खानी किए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 मई को उनकी दो बेटियां गांव में स्थित नल पर पानी भरने गई थीं। पानी भरते समय वहां गांव का ही बलवीर रजक आ गया और उनसे बात करने लगा। इसी दौरान उसने बड़ी बेटी को कुछ रुपये देकर उसे टॉफी लेने के लिए भेज दिया और सात वर्षीय छोटी बेटी को वह पास में स्थित एक कमरे में ले गया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा। जब बेटी ने विरोध किया तो उसे डराया और धमकाया भी। तभी वहां गांव के कुछ लोग पहुंच गए तो वह धमकी देकर वहां से भाग गया। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी। रविवार की शाम छिरिया मलकपुरा चौकी प्रभारी को सूचना मिली कि आरोपी औरेखी के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के अंडरब्रिज पर कहीं बाहर भागने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

निःशुल्क नाट्य कार्यशाला के दूसरे दिन दो दर्जन प्रतिभागियों ने कराया पंजीकरण

-बच्चो को निखारने का काम करती है कार्यशाला-वैद

(यंग भारत न्यूज)

कोंच भारतीय जन नाट्य संघ इप्टा इकाई कोंच एवं कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संयुक्त बैनर तले कमला नेहरू बालिका इंटर कालेज में आयोजित निःशुल्क बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्यशाला के लिए दूसरे दिन करीब दो दर्जन प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण कराया। कार्यशाला को लेकर बच्चों और युवाओं में उत्साह देखने को मिल रहा है ।इप्टा अध्यक्ष अनिल कुमार वैद ने बताया कि कार्यशाला प्रतिदिन प्रात: 7 बजे से 10 बजे तक आयोजित की जा रही है। इसमें प्रतिभागियों को नाटक, संगीत, नृत्य, अभिनय तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उनमें कलात्मक अभिरुचि का विकास करना है।

इप्टा के प्रांतीय सचिव डॉ. मु. नईम बोबी ने कहा कि रंगमंच व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। इससे बच्चों और युवाओं में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति क्षमता तथा सामाजिक सरोकारों की समझ विकसित होती है। उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं से कार्यशाला से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यशाला संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने कहा कि प्रतिभागियों को अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा रंगमंच की विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही उन्हें मंचीय अनुशासन और सांस्कृतिक गतिविधियों की बारीकियों से भी अवगत कराया जाएगा। कार्यशाला के आयोजन और पंजीकरण व्यवस्था में दानिश मंसूरी, कैफ सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में और अधिक प्रतिभागियों के जुड़ने की उम्मीद है।

पिता पुत्र द्वारा मिलकर रेप करने की घटना है आश्चर्य जनक

-बाप-बेटे पर किशोरी के साथ दुष्कर्म का आरोप

-शादी का झांसा देकर दो माह से दुष्कर्म कर रहा था युवक

-पुलिस ने किया मामला दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां एक महिला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर एक बाप-बेटे पर उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया है। आरोप है कि दो माह से शादी का झांसा देकर एक पड़ोसी युवक उसकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करता रहा और एक दिन युवक के पिता ने भी उसे अपनी हवस का शिकार बना डाला। महिला ने अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली महिला ने क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद को अपना शिकायती पत्र देकर बताया कि करीब दो माह पूर्व पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक ने उसके घर में घुसकर घर में अकेली मौजूद उसकी नाबालिग 14 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद वह शिकायत करने युवक के घर पहुंची तो युवक के पिता ने अपने लड़के के साथ उसकी बेटी की शादी कराने का आश्वासन उसे दिया था जिसके चलते उसने घटना की शिकायत उस समय पुलिस से नहीं की थी। महिला ने बताया कि इसके बाद युवक ने कई बार उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। इसकी शिकायत करने पर बाप बेटे ने उसे बेटी सहित जानमाल की धमकी दी। मामले को लेकर महिला ने अधिकारियों से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में सीओ परमेश्वर प्रसाद का कहना है कि महिला द्वारा शिकायती पत्र दिया गया है मामले की गंभीरता से जांच कराई जा रही है, जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी ।कोतवाली पुलिस ने पीड़िता नाबालिग बेटी की मां की तहरीर पर साहिल पुत्र साजिद निवासी कांशीराम कालौनी के खिलाफ धारा 65(1),353,352,4(2),पॉस्को एक्ट में मामला दर्ज कर लिया है।

पति-पत्नी के विवाद का मामला मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता कराया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। पति-पत्नी के विवाद का मामला कोतवाली पहुंचा। जहां मिशन शक्ति टीम ने दोनों पक्षों में सुलह समझौता करा दिया। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खटीकान निवासी नाजिया ने पुलिस को बताया कि उसके पति अफजल उसके साथ मारपीट करते हैं। शनिवार की शाम भी उन्होंने उसके साथ मारपीट की। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी संजय यति सक्रिय हुए। पति अफजल को बुलाया। साथ ही नाजिया की जेठानी संजीदा भी कोतवाली पहुंची। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी व महिला कांस्टेबल शिवानी ने पहले दोनों पक्षों से अलग-अलग वार्ता की और बाद में संयुक्त रूप से बात की गई। इस दौरान पति अफजल ने अपनी बहन संजीदा की मौजूदगी में पत्नी नाजिया को आश्वस्त कि वह भविष्य में किसी प्रकार का विवाद नहीं करेगा। पति-पत्नी के रूप में आपसी सहयोग एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए पारिवारिक जीवन व्यतीत करेगा। जिससे दोनों पक्ष संतुष्ट दिखे।

अपराध के विरुद्ध तत्पर कुठौंद पुलिस ने महिला के दो खोए कीमती मोबाइल बरामद कर किया गुड वर्क

(यंग भारत न्यूज)

उरई ।जनपद की कुठौंद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला के खोए हुए दो मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें सकुशल वापस सौंप दिया। पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही से महिला ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण एवं जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक जगदंबा प्रसाद दुबे के नेतृत्व में यह सफलता प्राप्त हुई। जानकारी के अनुसार नेहा पत्नी राजा सिंह ने थाना कुठौंद में अपने दो मोबाइल फोन गुम होने की सूचना दी थी। शिकायत मिलते ही पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सर्विलांस एवं अन्य तकनीकी संसाधनों की सहायता से मोबाइल फोनों की तलाश शुरू कर दी। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने दोनों मोबाइल फोन सफलतापूर्वक ट्रैक कर बरामद कर लिए। बरामद मोबाइलों में एक लावा कंपनी तथा एक रेडमी कंपनी का स्मार्टफोन शामिल है, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 26 हजार रुपये बताई गई है। बरामदगी के बाद पुलिस ने महिला को थाने बुलाकर दोनों मोबाइल फोन विधिवत वापस सौंप दिए। अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिलने पर महिला ने कुठौंद पुलिस की त्वरित कार्रवाई, कार्यकुशलता और जनसेवा के प्रति समर्पण की भूरि-भूरि प्रशंसा की। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की इस कार्रवाई को जनहित में सराहनीय बताया है।

घर में घुसकर मारपीट व जंजीर लूट के मामले में कोर्ट के आदेश पर आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। चार माह पूर्व चार लोगों ने हाथ में तमंचा, लाठी डंडे लेकर घर में घुसकर युवक के साथ मारपीट करने और बचाने गई मां को तमंचा दिखाकर उसकी जंजीर छीन ले जाने के मामले में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम औरेखी निवासी सुनीता तिवारी ने न्यायालय को बताया था कि बीती 18 फरवरी 2026 को शाम करीब छह बजे वह अपने घर पर थी। तभी उनका बेटा सूर्यप्रताप खेतों से वापस घर आया। उसके पीछे गांव के गोपालजी, पारसनाथ, गोविंद नरायण व सत्यनारायण जबरन घर के अंदर घुस आए। गोपालजी हाथ में तमंचा लिए थे, पारसनाथ लोहे की रॉड और सत्यनरायण व गोविंद नरायण लाठी लिए थे। सभी लोग मिलकर उनके बेटे सूर्यप्रताप को पकड़कर गाली गलौज करते हुए उसे मारने के उद्देश्य से लाठियों व लोहे की रॉड से हमला करने लगे। बेटे को पिटता देख जब वह चिल्लाते हुए बेटे को बचाने गई तो उन्होंने तमंचा दिखाकर गले से सोने की जंजीर तोड़ ली और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना की शिकायत उसने कोतवाली पुलिस से की लेकिन पुलिस ने न तो शिकायत दर्ज की और न ही घायल पुत्र का चिकित्सकीय परीक्षण कराया। जिसके बाद उसने न्यायालय की शरण ली। वहीं, न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने चारों व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस संदर्भ में कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करेगी।

सदर विधायक ने किसानों की मांग सुनी, मुंग की जल्द खरीद शुरू कराने के प्रयास की बात कही

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। क्षेत्र के किसान नगर स्थित नवीन गल्ला मंडी में मूंग की सरकारी खरीद शुरू कराने की मांग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि बाजार में मूंग का भाव समर्थन मूल्य से काफी कम चल रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने किसानों की मांग का संज्ञान लेते हुए जल्द खरीद शुरू कराने के प्रयास की बात कही है।

इन दिनों क्षेत्र में मूंग की फसल की कटाई के साथ ही मूंग मंडी में भी पहुंच रही है। किसान नवीन गल्ला मंडी में किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन बाजार में मूंग 6000 से 6300 रुपये प्रति कुंतल के बीच बिक रही है। जबकि सरकार द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य इससे काफी अधिक है। ऐसे में किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसान नवीन गल्ला मंडी में मूंग खरीद केंद्र खोले जाने की मांग कर रहे हैं ताकि उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सके। रविवार को नगर में पहुंचे सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने बताया कि किसानों की मांग उनके संज्ञान में आई है। उन्होंने इस विषय में जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय से वार्ता की है और नवीन गल्ला मंडी में शीघ्र मूंग की सरकारी खरीद शुरू कराने का अनुरोध किया है। कहा कि किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होने दी जाएगी और प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर खरीद केंद्र शुरू कराने का प्रयास किया जा रहा है। विधायक के आश्वासन के बाद किसानों में उम्मीद जगी है कि जल्द ही नवीन गल्ला मंडी में मूंग की सरकारी खरीद शुरू होगी और उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा

जालौन में खेत के पास टूटा डला हाई टेंशन का तार

बिजली विभाग को है जनहानि का इंतिजार

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।छानी खास में गांव के किनारे खेत में हाईटेंशन लाइन का तार टूटा पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने बिजली निगम के अधिकारियों से तार सही कराने की मांग की है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम छानी खास निवासी श्याम कुमार ने बताया कि मुख्य सड़क से गांव में प्रवेश करते ही रामपाल मौर्य के खेत में पिछले दिनों आई आंधी में हाईटेंशन लाइन के तार टूटकर गिर गए थे। हाईटेंशन लाइन के तार टूटने से ग्रामीणों को खेतों में जाने में डर सता रहा है। इस समय खेतों में मूंग की फसल की कटाई भी होनी है। तार टूटने से किसान कटाई नहीं कर पा रहे हैं। आरोप लगाया कि इस लाइन को जोड़ने के लिए वह कई बार शिकायत भी कर चुके हैं। लेकिन अब तक लाइन को नहीं जोड़ा गया है। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि टूटी हुई हाईटेंशन लाइन को जल्द जोड़ा जाए ताकि किसान खेतों में अपने काम बिना किसी डर के निपटा सकें।

कौन हैं कथावाचक पवन देव महाराज? बिहार की महिला ने दर्ज कराई रेप की FIR, राम मंदिर दर्शन के बहाने दुष्कर्म का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या: उत्तर प्रदेश में अयोध्या के बीकापुर क्षेत्र के रहने वाले कथावाचक पवन देव महाराज एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि उनके खिलाफ दर्ज हुई गंभीर आपराधिक शिकायत है। बिहार की एक महिला ने पवन देव महाराज पर दुष्कर्म, मारपीट, धमकी और करीब 10 लाख रुपये के गहने हड़पने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कौन हैं पवन देव महाराज ?

पवन देव महाराज अयोध्या जिले के बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के मलेथू कनक गांव के रहने वाले हैं। वह धार्मिक कथाओं और प्रवचनों के माध्यम से अपनी पहचान बना चुके हैं। पवन देव खुद को प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का शिष्य बताते हैं और पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में कथा कार्यक्रमों के जरिए सक्रिय रहे हैं। धार्मिक मंचों पर सक्रियता के अलावा उन्हें बीते 13 मई को करणी सेना का राष्ट्रीय प्रवक्ता भी नियुक्त किया गया था। इसके बाद वे सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर भी सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखते रहे हैं। उनके पिता पंडित रमाकांत शास्त्री कर्मकांडी ब्राह्मण बताए जाते हैं और धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़े हैं।

बस नाम ही है रिंकू कार्यवाही में वो प्रदेश भर में चर्चित आई ए एस हैं बहुत पराक्रमी

ओवरलोड माफिया पर एसडीएम रिंकू सिंह राही की बड़ी कारवाई, सत्ता के रसूख पर भारी पड़ा कानून

- अवैध बालू खनन में हैवी वेट माने जाने वाले रौनक ट्रेडर्स की ओवरलोड गाड़ियों पर कार्रवाई से मचा हड़कंप, जिम्मेदार विभाग करते हैं दिग्गज खनन माफियाओं की चेलागिरी
- एआरटीओ और खनिज विभाग की कार्य प्रणाली हो गई पूरी तरह से निर्वस्त्र, रौनक ट्रेडर्स के ओवरलोड वाहन दिन रात ढोते हैं अवैध बालू, आज के पहले तक किसी बाहुबली अधिकारी की हिम्मत नही हुई इन्हें टोकने की
- भाजपा नेता से जुड़ी बताई जा रहीं गाड़ियों पर कार्रवाई के बाद जिले में प्रशासनिक सख्ती की चर्चा तेज
- खनन के हलकों में हिल गई माफियाओं की चूले
- वहीं आला प्रशासनिक अधिकारियों के माथे से टपक रहा पसीना

- बालू के अवैध परिवहन के मामले में रिंकू सिंह ने लागू कर दिया वास्तव में "जीरो टॉलरेंस"
- यहीं नहीं दो सत्ताधारी विधायकों के ऊपर लग रहे हैं बड़े-बड़े आरोप
- इस भारी भरकम अवैध खनन अभियान में जनपद जालौन के कुठौंद निवासी एक पंडित जी तथा गैर जनपद के एक ठाकुर साहब की साझेदारी बताई जाती है फिलहाल जनपद में खनन के हलकों में चर्चाओं का बाजार बहुत गर्म हो उठा है

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच जालौन तहसील के उप जिलाधिकारी रिंकू सिंह राही एक बार फिर अपनी सख्त कार्यशैली को लेकर चर्चा में हैं। जिले में ओवरलोडिंग रोकने के लिए परिवहन विभाग के तीन तथा खनन विभाग के दो अधिकारियों की तैनाती होने के बावजूद लंबे समय से सड़कों पर दौड़ रहे ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांधी जी के नोटों की चमक के आगे जिम्मेदार विभाग बेबस नजर आते रहे।

सूत्रों के अनुसार 'रौनक ट्रेडर्स' नाम से संचालित कुछ वाहनों की ओवरलोडिंग को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही थीं। आरोप यह भी रहे कि इन वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय कई बार जिम्मेदार अधिकारी उन्हें नजरअंदाज कर देते थे या अपना चेकिंग प्वाइंट ही बदल लेते थे। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बताया जाता है कि हाल ही में एसडीएम रिंकू सिंह राही ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए कई वाहनों की जांच कराई। इस कार्रवाई की जद में कथित रूप से एक भाजपा नेता से जुड़ी गाड़ियां भी आ गईं। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद क्षेत्र में यह संदेश गया कि कानून के सामने किसी भी प्रकार का राजनीतिक प्रभाव नहीं चल सकता। जिले में चर्चा है कि जिन वाहनों को अब तक कथित रूप से संरक्षण प्राप्त था, वे पहली बार प्रशासनिक सख्ती के घेरे में आए हैं। कार्रवाई के बाद परिवहन और खनन विभाग की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। लोगों का कहना है कि यदि पहले ही प्रभावी कार्रवाई की जाती तो सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाली ओवरलोडिंग की समस्या इतनी गंभीर नहीं होती। एसडीएम रिंकू सिंह राही की इस कार्रवाई को आम नागरिक प्रशासन की निष्पक्षता और कानून के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देख रहे हैं। वहीं दूसरी ओर यह मामला इस बात की भी जांच की मांग कर रहा है कि आखिर लंबे समय तक ओवरलोड वाहन बिना रोक-टोक कैसे संचालित होते रहे और जिम्मेदार विभागों ने समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए। फिलहाल प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद ओवरलोड वाहन संचालकों में हड़कंप की स्थिति है। जिले भर में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि यदि इसी तरह लगातार अभियान चलता रहा तो ओवरलोडिंग के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन आगे भी इसी सख्ती के साथ अभियान जारी रखता है या नहीं।

12 करोड़ की लागत से बनेगा पुल, उरई विधायक गौरी शंकर वर्मा ने किया भूमिपूजन

जलालपुर-चिरगुवा मार्ग पर होगा विशाल निर्माण

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जलालपुर में जलालपुर-चिरंगुवा मार्ग पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य का रविवार को विधिवत भूमिपूजन किया गया। क्षेत्रीय विधायक गौरी शंकर वर्मा ने भारतीय परंपरा के अनुसार कन्या पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लगभग 12 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह पुल क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, बेहतर सड़क संपर्क और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि पुल निर्माण से जलालपुर, चिरंगुवा एवं आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच अधिक सुगम होगी, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। विधायक ने विश्वास जताया कि यह पुल आने वाले वर्षों में हजारों लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान रविंद्र प्रताप सिंह, देवेंद्र यादव, अनिवेश चतुर्वेदी, शैलेंद्र राजपूत, ऋषि श्रीवास्तव, उपेंद्र चौहान सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। विधायक गौरी शंकर वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 'विकास, संस्कृति और जनकल्याण के संकल्प के साथ हमारा क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है।' कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पुल निर्माण कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताया।

नगर के सभी साहित्यकारों और समाजसेवियों ने की शोकसभा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के राजेन्द्र नगर स्थित सिटी स्कूल में जनपद के वरिष्ठय साहित्यकार श्री यगदत्त त्रिपाठी के पुत्र नवनीत त्रिपाठी के निधन पर नगर के समस्त साहित्यकारों ने एक शोकसभा की जिसमे इस दुख की घड़ी में अपने साहित्तीक दुखी परिवार के साथ पूर्ण संवेदना व्यक्त की और उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजली अर्पित की इस दौरान साहित्यकारों के अलावा नगर के समाजसेवी और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे जिसमें प्रेमनारायण दीक्षित सुरेशचंद त्रि पाठी भाई सिद्धार्थ त्रिपाठी डॉक्टर रेणु चंद्रा लाखन सिंह कुशवाहा डॉक्टर माया सिंह माया शफीकुर्रहमान कशफ़ी डॉक्टर अनुज भदौरिया लक्षणदास बवानी राघवेन्द्र कनकने रामशंकर गौर पुष्पेंद्र पुष्प ब्रह्मप्रकाश शिखा गर्ग प्रिया श्रीवास्तव दिव्यम गरिमा पाठक दिव्यांशु दिव्य प्रगति मिश्रा राजू टिमरो तांचाल सर अश्वनी मिश्रा शत्रुघ्न सिंह सीमा जादौन आदि सैंकड़ों लोग मौजूद रहे अंत में सभी ने दो मिनट का मौन कर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की

राष्ट्रीय लोकदल की उरई नगर कार्यकारिणी घोषित, पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

- नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह तोमर ने की घोषणा, संगठन विस्तार पर जोर

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के निर्देश तथा प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय के अनुमोदन पर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव की सहमति से उरई नगर कार्यकारिणी की घोषणा की गई। नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह तोमर ने जिला पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान नई कार्यकारिणी का ऐलान किया।

बैठक में जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव (सोनू), जिला उपाध्यक्ष अमित त्रिपाठी, जिला सचिव मोहसिन खान, माधौगढ़ विधानसभा अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव (मिझौना) तथा जिला मीडिया प्रभारी कमल सिंह पाल उपस्थित रहे। नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह तोमर ने बताया कि नई कार्यकारिणी में मोहम्मद अजीम, आसिफ खान, अभिषेक ठाकुर एवं अमर सिंह चौधरी को नगर उपाध्यक्ष बनाया गया है। अमित यादव को नगर कोषाध्यक्ष, जबकि जमील खान, फैजान खान और खालिकशाह को नगर महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा राज मोहम्मद, हनुमंत सिंह, मोहम्मद उजैर अंसारी तथा मोहम्मद शादान अंसारी को नगर सचिव मनोनीत किया गया है। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। वहीं नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह तोमर ने आशा जताई कि नई टीम आगामी दिनों में संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाएगी।

झांसी रोड मरघट के सामने नाला निर्माण में हो रहे विलंब से लोग हैं परेशान

- पालिका ईओ की लापरवाही का खामियाजा भुगत रही आम जनता

- मामला उरई नगर पालिका परिषद का

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। झांसी रोड स्थित मरघट के सामने चल रहे नाला निर्माण कार्य में लगातार हो रही देरी से क्षेत्रीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई दिनों से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है और राहगीरों के साथ-साथ आसपास के दुकानदारों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों का कहना है कि बरसात का मौसम नजदीक है, लेकिन नाला निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी है। अधूरे निर्माण के कारण सड़क पर जलभराव की आशंका बढ़ गई है। वहीं निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था न होने से दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। क्षेत्रवासियों ने नगर पालिका परिषद प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर कार्य पूरा न होने का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद निर्माण कार्य में अपेक्षित तेजी नहीं लाई गई ।नागरिकों ने नगर पालिका परिषद के अधिकारियों से मांग की है कि नाला निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके और बरसात के दौरान होने वाली संभावित समस्याओं से बचा जा सके। क्षेत्रीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्य पूरा नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

डीजल, पेट्रोल व महंगाई के विरोध में सपा का 8 जून को कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन

जनता की दुखती हुई रग बन गई है यह समस्या, सपा ने भाजपा के विरुद्ध ऊंची सोच के साथ बनाया इसे मुद्दा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में समाजवादी पार्टी 8 जून को कलेक्ट्रेट परिसर में विशाल प्रदर्शन करेगी। पार्टी नेताओं का कहना है कि लगातार बढ़ रही महंगाई से आम जनता, किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

सपा पदाधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन के माध्यम से सरकार का ध्यान बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी तथा जनसमस्याओं की ओर आकर्षित किया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करेंगे तथा प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भी सौंपेंगे। पार्टी नेताओं ने कार्यकर्ताओं और आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। उनका कहना है कि महंगाई के कारण आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है और जनता को राहत देने के लिए सरकार को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

अपना दल (एस) की मासिक विधानसभा बैठक संपन्न

संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने और डॉ. सोनेलाल पटेल जी की जयंती को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। अपना दल (एस) जिला इकाई जालौन की अत्यंत महत्वपूर्ण मासिक विधानसभा बैठक आज दिनांक 07 जून 2026 को जिला मुख्यालय स्थित पार्टी कार्यालय में गरिमामयी माहौल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनिल कुदारी ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष सोम ठाकुर एवं प्रदेश महासचिव ओंकार सिंह ठाकुर मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी संगठनात्मक विस्तार, बूथ समितियों के गठन की समीक्षा तथा पार्टी के संस्थापक व प्रेरणास्रोत डॉ. सोनेलाल पटेल जी की आगामी जन्म जयंती कार्यक्रम की भव्य रूपरेखा तैयार करना रहा। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर ने कहा कि पार्टी की ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठन में निहित है। उन्होंने शीर्ष नेतृत्व के निर्देशों को रेखांकित करते हुए सभी पदाधिकारियों से पूर्ण निष्ठा के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने संगठनात्मक समीक्षा करते हुए सभी पदाधिकारियों को जवाबदेही तय की। बैठक में सर्वसम्मति से निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए: विधानसभा कार्यकारिणी का त्वरित गठन: जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने सभी विधानसभा अध्यक्षों को कड़े निर्देश दिए कि वे अपनी-अपनी विधानसभा कार्यकारिणी का गठन अविलंब पूरा करें और इसकी आधिकारिक घोषणा जल्द से जल्द सुनिश्चित करें। जोन कार्यकारिणी की समयबद्धता: सभी विधानसभाओं के अंतर्गत आने वाले नव-मनोनीत जोन अध्यक्षों को भी निर्देश दिया गया कि वे आगामी त्रैमासिक बैठक से पूर्व अपनी कार्यकारिणी का गठन अनिवार्य रूप से कर लें, ताकि संगठनात्मक ढांचा सुदृढ़ हो सके। 'बूथ जीतो, चुनाव जीतो' का संकल्प: संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के उद्देश्य से प्रत्येक बूथ पर मजबूत एवं सक्रिय बूथ अध्यक्षों की तत्काल नियुक्ति करने पर गहन चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक प्रवास करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। डॉ. सोनेलाल पटेल जी की जन्म जयंती की तैयारी: आगामी 02 जुलाई 2026 को दल के संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत यशस्वी डॉ. सोनेलाल पटेल जी की पावन जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को जनपद में बेहद ऐतिहासिक और भव्य रूप देने की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में मुख्य रूप से राजेश पुटेल अण्डा, जिला महासचिव अबधकिशोर निरंजन जिलाध्यक्ष बौद्धिक मंच ,धर्मेंद्र कुशवाहा, खुर्द, जिला सचिव प्रदीप कुशवाहा चमेड़ जिला सचिव ,रविकांत कुशवाहा कुकरगांव जिला उपाध्यक्ष, मिथिलेश सोनी जिला सचिव ,शैलेंद्र पाल भाबुआ जिला महासचिव ,राजवीर सिंह जिला मीडिया सचिव ,विजय कुमार कुशवाहा, लहचूरा जोन अध्यक्ष जालौन, प्रांजल पटेल, जिलाध्यक्ष छात्र मंच, राजकुमार जोन अध्यक्ष कदौरा , कोमल परिहार, जिला कार्यकारिणी सदस्य, सुदामा कुशवाहा पियानिरंजनपुर, सेक्टर अध्यक्ष श्यामसुंदर कुशवाहा, जिला महासचिव , मैथिलीशरण पनयारा, अकबर अहमद पनयारा, कुलदीप सिंह जाटव सिमिरिया, अमित कुमार कूड़ा, शिवकुमार वर्मा कूड़ा, सचिन कुशवाह कुदारी, रामबाबू कुशवाहा पियानिरंजनपुर, मोहित कूड़ा, बलवीर कूड़ा, प्रयाग कुशवाहा पियानिरंजनपुर, सुदामा कुशवाहा, अर्जुन कुशवाह, सुरार सालाबाद, राजबीर सिंह नामदेव जोन अध्यक्ष कुठौंद, गौरव मिश्रा, हरगोविंद कुशवाहा वर्ध, श्यामसुंदर कुशवाहा मनोरी, अनवर अली, शुघर सिंह पटेल धनौरा, गजेंद्र कुशवाह कुदारी जिला उपाध्यक्षयुवा मंच, कृषक कुदारी, उपेंद्र, पुनीत चौधरी वरसेसी, कमल साहू शैलेन्द्र सहित भारी संख्या में जोन अध्यक्ष, विधानसभा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे।

उरई-जालौन सुरक्षित सीट से बसपा के संभावित प्रत्याशी हो सकते है गुलाब सिंह बाबू ?

बसपा सुप्रीमो मायावती का आर्शीवाद मिलते ही बामसेफ नेताओं सम्पर्क किया तेज

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बसपा सुप्रीमो मायावती के आर्शीवाद ने उरई-जालौन सुरक्षित सीट से गुलाब सिंह बाबू को संभावित प्रत्याशी घोषित करने के बाद से ही बामसेफ के पुराने मिशनरी नेता उनसे सम्पर्क कर चुनावी रणनीति पर चर्चा करते हुए देखे जाने लगे हैं ।आज रविवार को बसपा के संभावित प्रत्याशी गुलाब सिंह के आवास पर उन्हे बधाई देने वालों में डा. देवेन्द्र अहिरवार, रामसनेही बाबू जी, रामसेवक सेवानिवृत्त जेई सहित अन्य बामसेफ के पुराने दिग्गज नेता मौजूद रहे ।इस मौके पर उरई-जालौन सुरक्षित विधानसभा सीट के संभावित बसपा गुलाब सिंह बाबू ने उपस्थित बामसेफ के नेताओं को भरोसा दिलाया कि बसपा सुप्रीमो बहन मायावती के आर्शीवाद मिलने के बाद से उन्होंने बसपा के पुराने मिशनरी नेताओं से सम्पर्क करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही वह बसपा के बड़े से बड़े एवं छोटे से छोटे कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलेंगे तथा बसपा सुप्रीमो बहन मायावती के भरोसे को निष्ठा और लगन के साथ पूरा करने का भरसक प्रयास करेंगे।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रथम बार जनपद आगमन पर जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के जालौन में प्रथम आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे स्थित छिरिया सलेमपुर टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए और फूल-मालाओं व पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत में भाजपा समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। पूरे क्षेत्र में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी तथा विभिन्न मंडलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित और विकास के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है तथा कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंपर्क अभियानों को लेकर भी चर्चा की गई। पूरे कार्यक्रम में उत्साहपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण बना रहा, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला।

वर्तमान में हो रही है मिट्टी की लूट

कालपी क्षेत्र में पुलिस और खनिज विभाग की दम पर बड़े पैमाने पर हो रहा है अवैध मिट्टी खनन, पुलिस संरक्षण के आरोपों से घिरी कोतवाली

- चौकी क्षेत्र में दिन-रात दौड़ रहे ओवरलोड वाहन, कार्रवाई नहीं होने से बढ़ी चर्चाएं
- अवैध खनन से सरकार को राजस्व हानि, जिम्मेदारमिल गए हैं मिट्टी माफियाओं से
- स्थानीय लोगों ने निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग उठाई
- ईमानदार माने जाने वाले एसपी की छवि पर दागी पुलिस वाले लगा रहे हैं बट्टा
- पुलिस, खनिज और अन्य अधिकारी मिलकर खा रहे हैं मिट्टी की लूट का माल

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। कालपी क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का कारोबार एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। क्षेत्रीय सूत्रों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कुछ स्थानों पर अवैध मिट्टी खनन का कार्य लगातार जारी है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि संबंधित चौकी क्षेत्र में पुलिस संरक्षण मिलने के कारण खनन कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं और ओवरलोड वाहनों के माध्यम से मिट्टी का परिवहन खुलेआम किया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन और रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा अन्य भारी वाहन मिट्टी लेकर सड़कों पर दौड़ते दिखाई देते हैं, लेकिन इनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती। इससे आम लोगों के बीच यह चर्चा है कि बिना किसी संरक्षण के इतना बड़ा कारोबार संचालित होना संभव नहीं है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों का दावा है कि अवैध खनन और ओवरलोडिंग के कारण सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। खनन नियमों की अनदेखी कर मिट्टी निकासी किए जाने से न केवल सरकारी खजाने को क्षति पहुंच रही है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बढ़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों और सार्वजनिक भूमि से मिट्टी निकाले जाने की शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि यदि पुलिस और प्रशासन संयुक्त रूप से अभियान चलाकर जांच करें तो अवैध खनन के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। लोगों का यह भी आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के कारण कार्रवाई अपेक्षित स्तर पर नहीं हो पा रही है। इससे कानून व्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। जनपद जालौन के पुलिस अधीक्षक की पहचान एक सख्त और ईमानदार अधिकारी के रूप में की जाती है। ऐसे में कालपी क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर उठ रहे आरोप उनकी कार्यशैली और छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। आमजन का मानना है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए तो अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। फिलहाल क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पर टिकी हैं कि वह इन आरोपों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और मामले की जांच कराकर क्या कार्रवाई सुनिश्चित करते हैं।

ग्राम पंचायत कुरौली में सूखा पड़ा अमृतसरोवर तालाब तथा आर आर सी सेंटर का नहीं किया जा रहा उपयोग

-ग्रामीणों का कहना है कि पूरे पांच साल में प्रधान ने नहीं कराया संतुष्टीकरण विकास

(यंग भारत न्यूज)

कुठौंद जालौन। विकासखंड कुठौंद की ग्राम पंचायत कुरौली में शासन व प्रशासन ने कचरा गाड़ियों का संचालन करने के लिए जिम्मेदारानों को जिम्मेदारी सौंपी गई लेकिन प्रधान द्वारा पूरे कार्यकाल में एक भी दिन नहीं चलाई गई कचरा ढोंने वाली गाड़ी जिससे आर आर सी सेंटर मौके पर इस बात को बयां कर रहा है सेंटर पर देखा गया तो वहां पर कूड़ा कचरा नाम की कोई चीज मौके पर नहीं दी दिखाई। प्रधान देवेन्द्र कुमार द्वारा कचरा गाड़ियों को अपने उपयोग में लिया गया। शासन व प्रशासन द्वारा पांच साल के कार्यकाल में ग्राम प्रधान की कार्यशैली से ग्रामीणों उत्सुकता नजर नहीं आ रही है। फिर भी शासन द्वारा इन्हें पुनः छः माह के लिए प्रशासक नियुक्त भी कर दिया गया है। जब प्रधानों ने अपनी कार्य शैली को पांच वर्ष में नहीं कर पाये। अब वह छः माह में क्या कर सकते हैं। क्या कर दिखाएंगे।

आगे बताते चलें शासन व प्रशासन ने ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर का नाम तालाबों को दे दिया गया है।लेकिन मौके पर अमृत सरोवर तालाब आज अपनी बदहाली को जाहिर कर रहे हैं ।जिसमें पानी होना चाहिए वह सूखे पड़े हैं ।जिससे ग्रामीणों के पालतू जानवरों को ना तो पानी उपलब्ध हो रहा है ।और वही पर जीव जंतु पशु पक्षी सूखे तालाब को देखकर अपने आप को कोस रहे हैं। जबकि प्रथम दृष्टिगत के दौरान प्राणियों के लिए जल ही जीवन माना गया है। यदि ऐसे में सूखे पड़े तालाब का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। जिसमें शासन द्वारा लाखों की धनराशि अर्जित की गई हो जिसका कोई उपयोग ना हो सके ऐसे में शासन तथा प्रशासन के लिए बहुत ही लज्जा की बात है। यदि गांव में अचानक किसी भी प्रकार का संकट एवं दैवी आपदा आती है । तो ऐसे में पानी का संचय कहां से किया जाएगा। इसलिए कुरौली ग्राम पंचायत के ग्रामीणों की मांग है कि अमृत सरोवर तालाब में जल्द से जल्द अपनी भरवाया जाए ताकि सूखा पड़ा तालाब धूल फाकने से निजात पा सके।और गांव की सफाई का कचरा आरआरसी सेंटर में डलवाया जाए जिससे संक्रामक बीमारियों से बचाव हो सके। तथा गांव की सड़कों व नालियों की सफाई कराई जाए जिससे कूड़ा कचरा मुक्ति मिल सकें। ग्रामीणों द्वारा अपनी बात को मीडिया से रूबरू होकर कहा कि हम लोगों की आवाज से शासन प्रशासन के ऊपर कितना अमल में लायी जाती है या नहीं यह भी देखेंगे।

कदौरा पुलिस ने चोरी की बाइक सहित शातिर वाहन चोर को दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। थाना कदौरा पुलिस को मोटरसाइकिल चोरी के मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जून 2026 को थाना कदौरा क्षेत्र में एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और सटीक सुरागरसी के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त बिलाल उर्फ साहिल पुत्र अकील निवासी मोहल्ला गाड़ीवान, कस्बा कदौरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल (UP 92U 2773) बरामद की है। पूछताछ में आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी से संबंधित कई मुकदमे दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस सफल कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सक्रियता और प्रभावी कार्यशैली एक बार फिर सामने आई है। स्थानीय लोगों ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना का शीघ्र खुलासा करने पर कदौरा पुलिस की सराहना की है।

सल्फास खाने से 32 वर्षीय जय पाल की मौत, सोनई परवई क्षेत्र में फैली शोक की लहर

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कोतवाली क्षेत्र के सोनई परवई गांव निवासी 32 वर्षीय युवक की सल्फास के सेवन से मौत हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनई परवई निवासी जयसिंह पाल पुत्र गंगाराम पाल किसी बात को लेकर घर से नाराज होकर निकल गया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद उसने विषाक्त पदार्थ सल्फास का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने युवक का शव गांव के बाहर छिरिया सलेमपुर के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के समीप एक खेत में पड़ा देखा। सूचना पर पहुंची जालौन कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई की मोर्चरी भेज दिया। युवक की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि जयसिंह मिलनसार और शांत स्वभाव का व्यक्ति था। उसकी अचानक मौत से पूरे गांव में मातम का माहौल है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सल्फास सेवन की बात सामने आई है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

कुठौंद पुलिस की तत्परता दिखाकर 24 घंटे में कर लिया युवक को सकुशल बरामद

(यंग भारत न्यूज)

उरई । थाना कुठौंद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक लापता युवक को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस संवेदनशील और सक्रिय कार्यशैली की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चंदावली निवासी एक युवक 5 जून 2026 को बिना बताए घर से कहीं चला गया था। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने थाना कुठौंद में सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल खोजबीन शुरू कर दी। थाना पुलिस ने संभावित स्थानों पर तलाश अभियान चलाया तथा आसपास के क्षेत्रों एवं सीसीटीवी कैमरों की मदद से युवक की खोज की। लगातार प्रयासों के बाद 6 जून 2026 को पुलिस ने युवक को सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बेटे को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई और उन्होंने जालौन पुलिस तथा थाना कुठौंद पुलिस की तत्परता एवं मानवीय कार्यशैली की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आमजन की सुरक्षा और सहायता के लिए पुलिस हर समय तत्पर है तथा किसी भी आपात स्थिति में नागरिक तत्काल पुलिस को सूचना दें।

रोमई मुस्तकिल में करोड़ों की लागत से बनी बृहद गौशाला देख रेख के अभाव में हो गई है कबाड़

(यंग भारत न्यूज)

- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने दिए थे निर्देश मगर गौशाला के कर्ता धर्ताओ ने नही सुनी उनकी एक भी, चला रहे है अपनी मनमानी और लूट रहे है सरकारी धन
- निगरानी के नाम पर आनाकानी कर रहे हैं बड़े अधिकारी

कुठौंद जालौन। विकासखंड कुठौंद के अंतर्गत ग्राम पंचायत रोमई मुस्तकिल में सरकार द्वारा बृहद गौशाला का निर्माण कराया गया। जिसकी आज की ताज़ा पोजीशन मौके पर आए मीडिया कर्मी ने स्वयं ही इसको परखा और इस संबंध में प्रधान विनोद कुमार राठौर से भी संपर्क किया। जिसमें बताया गया कि आज लगभग 5 माह से ठेकेदार लापता है। इस गौशाला की तरफ किसी भी आल्हा अधिकारी ने आज तक मुड़कर नहीं देखा की गौशाला की क्या पोजीशन है इसमें गौ वंशों का जीवन यापन हो रहा है या नहीं इसके संबंध में किसी भी प्रकार की संपूर्णता पूर्वक कोई देखरेख नहीं की जा रही है। नवनीत गौशाला के लिए कोई रास्ता का सही प्रावधान नहीं किया गया और बम्बी होने के कारण वहां आवागमन पूर्ण रूप से बाधित है। पहले पुलिया का निर्माण कराया जाए और पक्का रोड बनवाया जाए। बरसात के समय गौशाला तक पहुंचना लोहे के चने चबाने के बराबर होगा। नव निर्मित गौशाला का निर्माण ठेकेदारों द्वारा बहुत ही घटिया किस्म की रूप में कराई गई। इसका निर्माण मानक के अनुसार नहीं कराया गया है ।क्योंकि मौके पर देखा गया तीन सेट लगा हुआ जिसके ऊपर की मगरी अपने आप थोड़ी सी हवा में उछाल मारती नजर आ रही है। इसके अलावा गौशाला के चारों तरफ जो तार फेंसिंग की गई है। वह बहुत ही लचर और कमजोर लोहे की तार फेंसिंग की गई है। जिसमें गोवंश कभी भी बाहर निकाल सकते हैं ।और जंगल का एरिया होने के कारण जंगली जानवर कभी भी प्रवेश करने में कोताही ही नहीं बरतेंगे। हमारे अनुसार यदि समझा जाए तो ठेकेदारों द्वारा इसमें लापरवाही क्यों की जा रही है इसको चालू करने में समय क्यों लिया जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य है कि जितना समय हो जाएगा उसके बाद ठेकेदारों का एक ही प्रश्न होगा कि काफी समय हो गया है इसमें जो है लागत लगाई गई है। उसका दोस्त छिप सके लेकिन बरसात व तेज हवा के कारण तीन सेट हिल रहे हैं। नवनिर्मित गौशाला में ना तो हरा चारा काटने के लिए कोई व्यवस्था की गई है । ना ही कोई व्यवस्था बिजली की की गई है ।और यूनियन की भी व्यवस्था नहीं की गई है ।ना ही खाद के गड्ढे ना ही नाली बनाई गई है। चरई का तो यह हाल मौके पर दिखाई दे रहा है कि अभी भी मौके पर देखा जाए तो निर्माण की गई। चरई चटकने का रूप धारण कर चुकी है। और इसके अलावा साड़ तथा गौवंश व उनके बछड़े एक ही साथ रहेंगे। जबकि शासन द्वारा क्रमशः निर्माण की स्वीकृति दी गई थी जैसे की सांड की अलग जगह गाय की अलग जगह है और गाय के बच्चों की लिए अलग से व्यवस्था होनी आवश्यक थी। कब गौवंशों के भरण पोषण के लिए इस समय पर्याप्त भूसा उपलब्ध करवाने के लिए प्रधान द्वारा व्यवस्था की जा रही है। लेकिन अस्थाई गौशाला पर उसे रखना पड़ रहा है। क्योंकि नवनिर्मित गौशाला में वर्तमान में ताला लगा हुआ है। यदि नवनिर्मित गौशाला काभूसा घर उपयोग में ले लिया जाता तो डबल खर्चे को बचाया जा सकता था। इसलिए ग्राम प्रधान द्वारा शासन व प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस नवनिर्मित वृहद गौशाला को संचालित किया जाए ताकि बरसात आने से पहले गोवंश सुरक्षित स्थान पर रह सके। जबकि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज अवस्थी ने ठेकेदार को एक हफ्ते का समय दिया था लेकिन एक माह हो गया ठेकेदार ने अभी तक सी बी ओ के आदेश का कोई पालन नहीं किया

छप्पर डालते समय सर्पदंश से हुई 60 वर्षीय मजदूर की अकाल मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । कालपी कोतवाली क्षेत्र के मसगाया गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में 60 वर्षीय मजदूर की सांप के डसने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, मसगाया निवासी चुन्ना (60) एक मकान पर छप्पर और खपरैल डालने का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान छप्पर में छिपे एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के काटते ही उनकी हालत बिगड़ने लगी और वह बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई पहुंचाया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने जांच के बाद चुन्ना को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने बताया कि चुन्ना मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी असमय मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, गांव में इस दुखद घटना को लेकर शोक का माहौल बना हुआ है।

अंजना ओम कश्यप का खान सर पर तगड़ा पलटवार, ठोका इतने करोड़ का केस कि निकल जाएगी हेकड़ी!

(यंग भारत न्यूज)

देश के चर्चित शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर (फैजल खान) की मुश्किलें लगातार बढ़ती नजर आ रही हैं। एक तरफ फायरिंग केस को लेकर उनका नाम पहले से सुर्खियों में है, वहीं अब उन पर दिल्ली हाईकोर्ट में 2 करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा भी दायर कर दिया गया है। आजतक' की मैनेजिंग एडिटर अंजना ओम कश्यप और TV Today Group की ओर से दाखिल इस याचिका ने पूरे विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

आरोप है कि सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर की गई कुछ टिप्पणियों और वीडियो के जरिए उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया गया। इस मामले में खान सर के साथ कई अन्य शिक्षकों के नाम भी शामिल हैं। ऐसे में सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह विवाद अब अदालत तक पहुंच चुका है और शिक्षा जगत से लेकर मीडिया इंडस्ट्री तक हर कोई इस मामले पर नजर बनाए हुए है। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में खान सर, अभिनव सर, बबीता त्यागी समेत कुल आठ लोगों को पक्षकार बनाया गया है (शामिल किया

गया)। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कीगईं। याचिका में यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर मौजूद संबंधित वीडियो और पोस्ट हटाने की मांग भी की गई है। साथ ही 2 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग अदालत के सामने रखी गई है। इस पूरे मामले की जानकारी शिक्षक अभिनव सर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ 2 करोड़ रुपये का मानहानि दावा दायर किया गया है। अपने पोस्ट में उन्होंने कहा कि अदालत का दरवाजा खटखटाना किसी भी व्यक्ति का कानूनी अधिकार है और वे उसका सम्मान करते हैं। अभिनव सर ने यह भी कहा कि उनके पास अपने पक्ष को साबित करने के लिए पर्याप्त तथ्य और सवाल हैं, जिन्हें वे कोर्ट के सामने रखेंगे। उनके मुताबिक सच्चाई का फैसला अदालत में होगा, सोशल मीडिया पर नहीं। हालांकि इस मामले में खान सर सहित बाकी 7 लोगों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। पिछले कुछ समय से यूट्यूब शिक्षकों और मुख्यधारा की मीडिया की भूमिका को लेकर बहस तेज हो गई थी। इसी दौरान अंजना ओम कश्यप की कुछ कथित टिप्पणियों को लेकर विवाद खड़ा हुआ। हृश्वश्वङ्ग पेपर लीक और ष्ट्क्स्श्व परीक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के दौरान कोचिंग संस्थानों और ऑनलाइन शिक्षकों की भूमिका पर सवाल उठाए गए थे। आरोप है कि इसी बहस के दौरान कुछ शिक्षकों के लिए विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके बाद कई शिक्षकों ने सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी। विवाद बढ़ने के बाद खान सर समेत कई शिक्षकों के वीडियो और बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे। इस मुद्दे पर समर्थन और विरोध दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर इस विवाद से जुड़े वीडियो, पोस्ट और मीम्स बड़ी संख्या में शेयर किए गए। देखते ही देखते यह मामला शिक्षा और मीडिया से जुड़ी राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बन गया। मानहानि मामले के अलावा खान सर का नाम फायरिंग केस को लेकर भी चर्चा में है। शनिवार को पटना सिविल कोर्ट में उनके सरेंडर करने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि दिनभर चली चर्चाओं के बावजूद न तो उन्होंने आत्मसमर्पण किया और न ही उनके वकील की ओर से अग्रिम जमानत की कोई याचिका दाखिल की गई। उम्मीद है कि सोमवार को इस मामले ने कोई बड़ा अपडेट सामने आ सकता है। इस मामले में पुलिस लगातार उनकी तलाश में जुटी हुई है। संभावित गतिविधियों को देखते हुए पटना सिविल कोर्ट परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा बल भी तैनात किया गया था। अब एक तरफ दिल्ली हाईकोर्ट में दायर 2 करोड़ रुपये का मानहानि केस और दूसरी तरफ फायरिंग मामले की जांच ने खान सर की कानूनी चुनौतियों को और बढ़ा दिया है।

जूनियर एशिया कप में भारत बना चैंपियनः सीएम योगी ने दी बधाई, बोले- खिलाड़ियों ने मां भारती को गौरवभूषित किया

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। हॉकी पुरुष अंडर-18 जूनियर एशिया कप 2026 में भारतीय हॉकी टीम द्वारा स्वर्ण पदक जीतने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों को शनिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। जापान के काकामिगाहारा में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर एशियाई चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के उन पांच खिलाड़ियों की सराहना की, जिन्होंने टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रदेश का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स लिखा कि जापान में आयोजित पुरुष अंडर-18 एशिया कप 2026 में स्वर्ण पदक जीतकर मां भारती को गौरवभूषित करने वाली भारतीय हॉकी टीम एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई ! इस ऐतिहासिक विजय में उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों केतन कुशवाहा, शाहरुख अली, प्रह्लाद राजभर, राहुल यादव एवं रोमित पाल के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने प्रदेश को विशेष गौरव का अवसर प्रदान किया है। आप सभी ने अपने कौशल, समर्पण और अनुशासन से राष्ट्र का मान बढ़ाया है। टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ एवं सहयोगी दल का हार्दिक अभिनंदन। विजय की यह स्वर्णिम यात्रा निरंतर नई ऊंचाइयों को स्पर्श करे, भारतीय हॉकी विश्व पटल पर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करे, यही मंगलकामना है। गौरतलब है कि, भारतीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रजनीश मिश्रा ने कोचिंग स्टाफ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, हॉकी इंडिया के मुख्य चयनकर्ता एवं उत्तर प्रदेश हॉकी के अध्यक्ष डॉ. आर.पी. सिंह के नेतृत्व में हुई चयन प्रक्रिया को भी इस सफलता का अहम आधार माना जा रहा है।

पिता ने बेटियों के सामने बनाएं मां के साथ संबंध लखनऊ से' आया ये शर्मनाक मामला दिमाग हिला देगा.

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के लखनऊ से सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक पत्नी ने पति पर ऐसा आरोप लगाया है, जिसे सुन कर हर कोई चौंक गया है. पत्नी का आरोप है कि उसके पति ने दोनों नाबालिग बेटियों के सामने ही उसके साथ संबंध बनाएं.पत्नी का कहना है कि पति ने पहले उसके साथ खूब मारपीट की. फिर दोनों बेटियों को बैठने के लिए बोला और इस दौरान उसके साथ जबरन संबंध स्थापित किए.

पत्नी का ये भी आरोप है कि पति अपनी ही 15 साल की नाबालिग बेटी के साथ छेड़छाड़ करता है. वह बेटियों को पोर्न वीडियो दिखाता है और उनका शोषण करता है. बता दें कि पुलिस ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है.

पुलिस ने मामले में केस दर्ज करके, आरोपी को जेल भेज दिया है. ये पूरा मामला लखनऊ के गोसाई गंज से सामने आया है. यहां रहने वाली शादीशुदा महिला ने अपने पति के खिलाफ शर्मनाक आरोप लगाए हैं. महिला का आरोप है कि 6 की रात करीब 11 बजे उसके पति ने उसकी दोनों नाबालिग़ बेटियों के सामने उसके साथ मारपीट की. इसके बाद उसने बेटियों से कहा, तुम लोग यही बैठो, मैं तुम्हारी मां के साथ संबंध स्थापित करूंगा और तुम दोनों को बैठकर देखना है. यही तुम लोगों को बड़े होकर मेरे साथ करना होगा. पीड़िता ने आगे बताया, उसने हाथ जोड़कर पति से ऐसा न करने की गुहार लगाई, लेकिन उसने एक नहीं सुनी. बेटियां यह देखकर लगातार रोती रहीं और पापा ऐसा मत करो, मां को छोड़ दो, की गुहार लगाती रहीं. पीड़िता का कहना है कि इस दौरान उसका पति जबरदस्ती करता है और गंदी-गंदी गालियां देता रहा. पीड़िता का कहना है कि उसका पति अपनी नाबालिग बेटियों को अश्लील वीडियो दिखाता है. वह गलत तरह से उन्हें टच करता है. पीड़िता का कहना है कि वह एक गरीब परिवार से है और अभी तक लोक-लाज की वजह से चुप थी. मगर अब वह हिम्मत जुटाकर पुलिस के सामने आई है. पीड़िता ने अब पुलिस से इंसाफ की गुहार लगाई है. इस पूरे मामले को लेकर डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया, पीड़िता के तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है. मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार करके, जेल भेज दिया गया है.

बैंकॉक रूट पर एक्टिव है बड़ा ड्रग नेटवर्क : वाराणसी के बाद अब लखनऊ में पकड़ा गया 10 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा, तस्कर गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई (ढ्ढ) ने एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार करके उसके पास से करीब 10.39 करोड़ रुपए मूल्य का संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, शुक्रवार को खुफिया जानकारी के आधार पर एआईयू अधिकारियों ने यह कार्रवाई की। आरोपी ओमान एयर की एक उड़ान से बैंकॉक होते हुए मस्कट के रास्ते लखनऊ पहुंचा था। चेकिंग के दौरान ट्रॉली बैग से निकला 10.39 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बयान के अनुसार ग्रीन चैनल पर रोककर उसके सामान की एक्स-रे जांच की गई। बयान के मुताबिक तलाशी के दौरान ट्रॉली बैग से हरे रंग के पदार्थ से भरे 13 पॉलीथीन पैकेट बरामद हुए जिसके हाइड्रोपोनिक गांजा होने का संदेह है। बयान के अनुसार जब्त पदार्थ का कुल वजन 10.397 किलोग्राम है। बयान में कहा गया कि जांच में प्रथम दृष्टया इसके गांजा होने का संदेह उत्पन्न हुआ। सीमा शुल्क अधिकारियों ने बताया कि यात्री नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 का उल्लंघन करते हुए पाया गया। उन्होंने बताया कि मादक पदार्थ जब्त करके और एक मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करके आगे की जांच शुरू कर दी गई है। वाराणसी में हुई बड़ी जब्ती से जुड़े तार यह कार्रवाई 1 जून को वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई बड़ी बरामदगी के बाद सामने आई है। तब बैंकॉक से आई एक उड़ान से आए थाईलैंड के 6 नागरिकों को गिरफ्तार करके 19.7 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया था। इसकी कीमत 19 करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई थी। जांच एजेंसियों का आरोप है कि आरोपी पहले भी कोलकाता-गया मार्ग से नशीले पदार्थों की तस्करी कर चुके हैं। जांच एजेंसियों ने कहा था कि हाइड्रोपोनिक गांजा की तस्करी में शामिल व्यापक नेटवर्क की जांच की जा रही है।

अजब-गजब! हनीमून पर पूरी बारात ले गया पति, अब 'दुबई टूर' पर फिर अड़ा; कगार पर पहुंचा शादी का पवित्र रिश्ता, पत्नी ने बयां किया दर्द

(यंग भारत न्यूज)

शादी के बाद हर नवविवाहित जोड़े की चाहत होती है कि वे हनीमून पर जाकर एक-दूसरे के साथ कुछ हसीन और एकांत पल बिताएं, ताकि उनके नए जीवन की शुरुआत आपसी समझ और प्यार के साथ हो सके।

मगर उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से एक ऐसा हैरान कर देने वाला अनोखा मामला सामने आया है, जहां पति देव अपने हनीमून पर पत्नी को अकेले ले जाने के बजाय अपने पूरे खानदान और कुनबे को ही साथ लेकर 'नैनीताल' पहुंच गए। पति के इस अजीबोगरीब फैसले से शुरू हुआ यह गृहक्लेश शादी के महज एक साल के भीतर ही इस कदर बढ़ गया कि अब यह पवित्र रिश्ता सीधे टूटने की कगार पर आ पहुंचा है। पूरा विवाद अब पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र की फाइलों में दर्ज हो चुका है। यह दिलचस्प और चौंकाने वाला मामला मेरठ के बहसूमा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, यहां की रहने वाली एक युवती का विवाह करीब एक वर्ष पूर्व देश की राजधानी दिल्ली के एक युवक के साथ बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ था। शादी के बाद जब दोनों के हनीमून की बात आई, तो पति ने नैनीताल का प्लान बनाया। पत्नी बेहद खुश थी, लेकिन उसकी यह खुशी उस वक्त काफूर हो गई जब उसने देखा कि पति सिर्फ उसे ही नहीं, बल्कि अपने पूरे परिवार और रिश्तेदारों को भी हनीमून के सफर पर साथ ले आया है। एकांत और निजी पलों की उम्मीद लगाए बैठी पत्नी को हनीमून पर पूरे कुनबे की यह दखलंदाजी और मौजूदगी बेहद नागवार गुजरी। वहां से वापस लौटने के बाद से ही दोनों के बीच इस बात को लेकर आए दिन तीखी बहस होने लगी। दुबई टूर पर फिर छिड़ा महासंग्राम, थाने तक पहुंच गई रार नैनीताल की कड़वी यादों और लगातार हो रहे विवादों के बीच ही, इस दंपती ने अपने बिगड़ते रिश्ते को सुधारने के लिए एक बार फिर बाहर घूमने जाने का मन बनाया। इस बार 'दुबई टूर' की तैयारी चल रही थी।

पत्नी को उम्मीद थी कि इस अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर वे दोनों अकेले जाएंगे, जिससे उनके बीच की पुरानी गलतफहमियां और दूरियां हमेशा के लिए मिट सकेंगी। मगर पति अपनी पुरानी आदत से बाज नहीं आया और उसने इस बार भी जिद पकड़ ली कि पूरा खानदान साथ में ही दुबई की यात्रा पर जाएगा। पत्नी ने पति के इस फैसले का कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि उन्हें भी अपनी निजी जिंदगी के लिए थोड़ा एकांत (प्राइवेसी) चाहिए। मगर इस मुद्दे पर दोनों के बीच की रार और अहंकार की लड़ाई इतनी ज्यादा बढ़ गई कि मामला स्थानीय थाने तक जा पहुंचा। स्थानीय पुलिस ने पहले तो अपने स्तर पर दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत करने का प्रयास किया, लेकिन जब दोनों ही पक्ष अपने-अपने अड़ियल रुख से टस से मस नहीं हुए, तो पुलिस ने हार मानकर मामले को अंतिम सुलह-समझौते के लिए पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र भेज दिया। पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में इस बिखरते हुए रिश्ते को समेटने और बचाने के लिए काउंसलरों द्वारा हरसंभव कोशिशें की गईं। इस जोड़े की अब तक तीन दौर की लंबी काउंसलिंग कराई जा चुकी है। काउंसलरों ने दोनों पक्षों की दलीलों को बेहद बारीकी और गंभीरता से सुना ताकि उजड़ती हुई गृहस्थी को किसी भी तरह दोबारा बसाया जा सके। मगर अफसोस, इस काउंसलिंग के दौरान भी दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गंभीर और तीखे आरोप लगाए। पत्नी का साफ कहना है कि वह पहली बार चुप रह गई थी, लेकिन पति हर बार उसके निजी स्पेस और खुशियों को पूरे परिवार के बीच बांटने पर अड़ जाता है। वहीं पति का अपना अलग तर्क है। दोनों ही पक्ष समझौते के लिए तैयार नहीं हैं और अब इस जोड़े ने हमेशा के लिए एक-दूसरे से कानूनी रूप से अलग होने (तलाक) का मन बना लिया है। परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी आदेश कौर ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों पक्षों को समझाने और उनके बीच की दूरियों को मिटाने का हर मुमकिन प्रयास अभी भी जारी है, हालांकि दोनों ही पक्ष फिलहाल अलग होने की जिद पर अड़े हुए हैं।

यूपी में 'स्टोर कीपर' की बंपर भर्ती, 12वीं पास के लिए बड़ी खुशखबरी!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान (GIMS), ग्रेटर नोएडा ने रिकॉर्ड कीपर और स्टोर कीपर के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस भर्ती के माध्यम से कुल 33 पदों को भरा जाएगा। ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने 12वीं की पढ़ाई पूरी कर ली है और सरकारी क्षेत्र में नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए यह एक सुनहरा अवसर साबित हो सकता है।

संस्थान द्वारा जारी भर्ती विज्ञापन के अनुसार रिकॉर्ड कीपर और स्टोर कीपर के पदों पर योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। इनमें रिकॉर्ड कीपर के 15 पद और स्टोर कीपर के 18 पद शामिल हैं। भर्ती प्रक्रिया सीधे चयन के आधार पर आयोजित की जाएगी। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 4 जून 2026 से शुरू हो चुकी है और 3 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) और टाइपिंग टेस्ट के माध्यम से किया जाएगा। परीक्षा में सफल होने वाले अभ्यर्थियों को आगे की चयन प्रक्रिया के लिए बुलाया जाएगा। इसलिए उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा के साथ-साथ टाइपिंग कौशल पर भी ध्यान देना होगा। चयनित उम्मीदवारों को निर्धारित वेतनमान के अनुसार वेतन दिया जाएगा। नियुक्ति उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित सरकारी चिकित्सा विज्ञान संस्थान में की जाएगी। यह संस्थान प्रदेश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक माना जाता है। जो उम्मीदवार 12वीं पास करने के बाद सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए यह भर्ती विशेष रूप से लाभदायक हो सकती है। कम शैक्षणिक योग्यता के साथ सरकारी संस्थान में नौकरी पाने का यह अच्छा मौका माना जा रहा है।

यूपी में 21 जिलों के 40 प्राचीन किले, टीले और मंदिर होंगे संरक्षित, पुरातत्व विभाग ने शुरू की कवायद

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश में पुरातात्विक महत्व के टीले, किले व प्राचीन मंदिरों की पहचान अब और सुदृढ़ होगी। 21 जिलों के 40 स्मारकों एवं स्थलों को पुरातत्व विभाग ने सूचीबद्ध किया है। इन सभी स्थलों को राजकीय संरक्षण में लेकर संवारा जाएगा। इससे भविष्य में इन जिलों में पर्यटन स्थलों की संख्या बढ़ जाएगी। पुरातत्व विभाग के अनुसार प्रदेश में ऐसे अनेक स्थल और स्मारक हैं, जो प्राचीन हैं, लेकिन राजकीय संरक्षण में नहीं हैं। इन स्थलों में प्राचीन मंदिर, टीले, किले और राजाओं के आवासीय स्थल या विश्राम गृह हैं। इन स्थलों का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण कर सकता है या फिर राज्य पुरातत्व निदेशालय। इस बीच राज्य पुरातत्व निदेशालय ने 40 स्थलों को राजकीय संरक्षण में लेने की तैयारी की है। विभाग के अनुसार इन सभी स्थलों को संरक्षित किए जाने की संस्तुति प्राप्त हो गई है। इसके बाद शासन से अधिसूचना जारी की जाएगी। दो अधिसूचनाएं जारी होने के बाद इन स्मारकों पर कार्य कराने का प्रस्ताव किया जाएगा। पहली अधिसूचना जारी होने के एक माह तक आपत्ति और शिकायत के

लिए समय दिया जाता है, जब किसी स्थल या स्मारक पर कोई आपत्ति या शिकायत नहीं प्राप्त होती है तो दूसरी अधिसूचना जारी की जाती है।

इन स्थलों के संरक्षण की संस्तुति

लखनऊ – प्राचीन भवन मूसाबाग व कालाकांकर भवन सदर।

सीतापुर – शिव मंदिर नवीनगर, परेवा जाल का टीला व माहेपासी का टीला।

उन्नाव – प्राचीन टीला, मोहान व शिव मंदिर झंझनाखेड़ा।

हरदोई– श्री नागेश्वर महादेव मंदिर संडीला व जंगलेश्वर महादेव मंदिर बिलग्राम।

बाराबंकी– राजा कुंवर गिरधारी सिंह की समाधि व बारादरी, गोकुलपुर।

कानपुर नगर – पंचमुखी शिव मंदिर बकसरा वप्राचीन शिव मंदिर (प्राचीन ध्रुव टीला के पास), प्राचीन बिठूर।

रायबरेली – श्री गंगकुंड हमीरमऊ।

प्रतापगढ़ – प्राचीन शिव मंदिर रामपुर बेला।

फतेहपुर – शिव मंदिर जगदीशपुर बकेवर, राधा-कृष्ण मंदिर बढ़वां व पासी बाबा मंदिर सिजौली।

सिद्धार्थनगर – डब्ल्यूसी पेप्पे से जुड़ा भवन बर्डपुर, नौगढ़।

महराजगंज – खड़खोला टीला ब्रिजमनगंज।

देवरिया– खुर्दिया बुजुर्ग टीला बरहज।

जालौन – राम-जानकी व हनुमान जी का मंदिर सामी, लटक बिहारी मंदिर कोटरा, सराफी मंदिर कोटरा, मदन घाट शिवालय कोटरा व प्राचीन स्थल सूर्य मंदिर मदरा लाल पुर।

ललितपुर – बावली सीरोन।

झांसी – गढ़वई दुर्ग गरौठा, दो प्रस्तर शिव मंदिर डिमरौनी, हजारिया महादेव मंदिर के सम्मुख स्थित शिवालय डिमरौनी, गणेश मंदिर बरूआसागर व शिव मंदिर शिवाजीनगर।

महोबा –मंगलगढ़ का किला चरखारी व ताल कोठी चरखारी।

गाजीपुर – पंच मंदिर व शिव मंदिर पाली।

मीरजापुर – शिव मंदिर, मवैया।

वाराणसी – शिव मंदिर, असवारी व एलटी कॉलेज स्थित गोपाल लाल (विला)।

आगरा – हतकंठ का किला, धर्मशाला।

मैनपुरी – किरथुवा खेड़ा का टीला।

हॉकी में आशिष की हैट्रिक, जापान को 4-1 से रौंदा, तीसरा एशिया कप खिताब कब्जाया

भारत पुरुष अंडर-18 एशिया कप चैंपियन

काकामिगाहारा

आशिष पुर्ती की शानदार हैट्रिक की बदौलत भारत ने मेजबान जापान को 4-1 से हराकर शनिवार को यहां पुरुष अंडर-18 एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पुर्ती ने दूसरे, 28वें और 34वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की। कप्तान केतन कुशवाहा ने 30वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को और मजबूत किया। जापान की ओर से एकमात्र गोल नुमाता गाकु ने 52वें मिनट में किया। भारतीय हॉकी ने स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन लाख रुपये और सहयोगी सदस्यों को डेढ़ लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। इसके साथ ही महिला अंडर-18 टीम के कांस्य पदक जीतने पर प्रत्येक खिलाड़ी को एक लाख रुपये और सहयोगी सदस्यों को 50,000 रुपये देने की भी घोषणा की गई। भारत ने मैच की शुरुआत से ही भारत ने दबदबा बनाते हुए 90 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया, जिसे पुर्ती ने गोल में बदल दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 1-0 से आगे था जबकि जापान ने कुछ आक्रामक प्रयास किए लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति को भेद नहीं सका। दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने बढ़त बनाए रखी। जापान ने बराबरी की कोशिश की लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उनके हर प्रयास को नाकाम कर दिया। इसके बाद 28वें मिनट में पुर्ती ने एक और शानदार गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके तुरंत बाद प्रह्लाद राजभर ने गेंद छीनकर कप्तान कुशवाहा को पास दिया, जिन्होंने सटीक फिनिश कर हाफटाइम तक स्कोर 3-0 कर दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में आक्रामक खेल जारी रखा। वरिंदर सिंह की शानदार मूव के बाद मिले पेनल्टी कॉर्नर को पुर्ती ने 34वें मिनट में गोल में बदलकर हैट्रिक पूरी की और भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिलाई। अंतिम क्वार्टर में जापान ने वापसी की कोशिश की और 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 4-1 किया, लेकिन यह केवल सांत्वना भर रहा। इसके बाद जापान को कुछ और मौके मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने उन्हें सफल नहीं होने दिया। पुर्ती को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 13 गोल कर शीर्ष स्कोरर का खिताब भी हासिल किया।

भारत की बेटियों ने बढ़ाया मान

महिला अंडर-18 में कोरिया को 3-0 से हराकर भारत ने कांस्य पदक जीता

एजेंसी ▸▸ काकामिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक जीता। भारत की ओर से संदीप कुमारी, कप्तान स्वीटी कुजूर और नौशीन नाज ने गोल दागे और टीम को पोडियम पर जगह दिलाई। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कोरिया के खिलाफ शानदार शुरुआत की और शुरुआती दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीप कुमारी ने बेहतरीन संयम दिखाया और दूसरे ही मिनट में शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिला दी।

भारतीय प्लेयर ने बनाए सर्कल के अंदर मूव

भारत ने मैच पर कब्जा बनाए रखा और सर्कल के अंदर कुछ अच्छे मूव बनाए। टीम को इसका इनाम 26वें मिनट में मिला जब स्वीटी कुजूर ने शानदार गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने एक और गोल दागा जब 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर नौशीन ने शानदार गोल दागकर प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या 12 तक पहुंचाई। मैच में शानदार प्रदर्शन और शुरुआती गोल करने के लिए संदीप कुमारी को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीम को बधाई दी

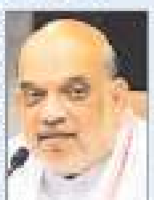

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'अंडर-18 एशिया कप 2026 में खिताब जीतने वाली पुरुष टीम और कांस्य पदक जीतने पर महिला अंडर-18 हॉकी टीम को बधाई। आपकी इन उपलब्धियों से निश्चित रूप से खेल और इसके चाहने वालों का उत्साह बढ़ेगा। जीत का यह सिलसिला जारी रखें।' भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को जापान के काकामिगाहारा में खेले गए तीसरे स्थान के मैच में कोरिया को 3-0 से हराकर कांस्य पदक जीता।

दोनों टीमों ने देश का गौरव बढ़ाया

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। भारतीय पुरुष टीम ने बेहतरीन खेल, अनुशासन और टीम भावना का परिचय देते हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला टीम ने कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का मान बढ़ाया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में संघर्ष, समर्पण और उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे भारतीय हॉकी को मजबूत और उज्ज्वल भविष्य की झलक देखने को मिली। यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन और बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है। भारत को अपने बेटों और बेटियों दोनों पर समान रूप से गर्व है।
-कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व वित्त मंत्री, हरियाणा सरकार

भारत ने 7 पदक जीते, इनमें 6 हरियाणा की बेटियों ने कब्जाए

रोहतक

उलानबटोर कुश्ती ओपन रैंकिंग सीरीज

उलानबटोर कुश्ती ओपन रैंकिंग सीरीज में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और चार कांस्य सहित सात पदक जीते। इसमें 6 हरियाणा की महिला पहलवानों ने जीते।

यह प्रतियोगिता उलानबटोर मंगोलिया में आयोजित की गई। शनिवार को खेले गए मैचों में 62 किलोग्राम में रोहतक की मानसी ने कांस्य पदक जीता। 55 किलोग्राम में सोनीपत की हंसिका ने कांस्य पदक जीता।

76 किलोग्राम में जींद की प्रिया ने कांस्य पदक जीता। 76 किलोग्राम में सोनीपत की काजल ने स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले 57 किलोग्राम में रोहतक की मनीषा ने और 59 किलोग्राम में चरखी दादरी की नेहा ने स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा 50 किलोग्राम में नीलम ने कांस्य पदक जीता। हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर और कोच रणबीर ढाका ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

सागर ने स्वर्ण और जयदीप ने कांस्य जीता

शनिवार को ही खेले गए मैच में 74 किलोग्राम में सागर जगलान ने स्वर्ण और जयदीप अहलावत ने कांस्य पदक जीता। जयदीप ने बताया कि 2021 में मेहर सिंह अखाड़े में कदम रखा और तब से वह कोच रणबीर ढाका के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहा है। कोच का अनुभव उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। उनके पसंदीदा पहलवान ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया हैं।

प्रज्ञानानंदा ने रचा इतिहास, नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ओस्लो (भाषा)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा इतिहास रचते हुए अंतिम दौर में जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर प्रतिष्ठित नार्वे शतरंज का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दिन की शुरुआत 15 अंक के साथ तीसरे स्थान से की। उन्होंने सबसे अहम मौके पर बेहतरीन खेल दिखाया और क्लासिकल बाजी में जीत हासिल करके पूरे तीन अंक बटोरे। इस तरह वे 18 अंक पर पहुंचे और एलीट शतरंज की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफियों में से एक अपने नाम की। चेन्नई के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने वह उपलब्धि हासिल की जो 2013 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारतीय शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश जैसे खिलाड़ी भी हासिल नहीं कर पाए थे। नार्वे शतरंज में दूसरी बार हिस्सा ले रहे प्रज्ञानानंदा की शुरुआत धीमी रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रफ्तार पकड़ी और लगातार चार जीत हासिल की। प्रज्ञानानंदा के अभियान की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने नार्वे शतरंज के सात बार के चैंपियन और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल बाजी में दो बार हराया। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश के अंतिम चरण में खिताब की दौड़ से बाहर होने के बाद प्रज्ञानानंदा ने भारत की उम्मीदों को जीवंत रखा और आखिरकार खिताब अपने नाम किया।

इसे जीतना अधिक खास

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'इसे जीतना अधिक खास है और इसमें यह बात भी जुड़ जाती है कि मैग्नस यहां थे। साथ ही लगातार चार बाजी जीतना भी।' उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत नीदरलैंड के विज्क आन जी में 2025 टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में आई थी। भले ही प्रज्ञानानंदा का पूरा ध्यान कीमर के खिलाफ मुकाबले पर था लेकिन कभी-कभी उनका ध्यान दूसरे बोर्ड की ओर भी चला जाता होगा, जहां वेई यी का मुकाबला अलीरेजा से हो रहा था। अगर वेई क्लासिकल बाजी जीत जाते तो प्रज्ञानानंदा खिताब से चूक जाते। उस मुकाबले का ड्रॉ नतीजा निर्णायक साबित हुआ और मैच टाइब्रेक में चला गया जहां वेई ने जीत दर्ज की लेकिन उन्हें तीन की जगह सिर्फ डेढ़ अंक मिले।

च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से हराया

मीरा आंद्रीवा ने रचा इतिहास बनीं ग्रैंड स्लैम चैंपियन

पेरिस

रूस की टेनिस सनसनी मीरा आंद्रीवा ने शनिवार को यहां फ्रेंच ओपन महिला एकल के फाइनल में पोलैंड की माया च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। आंद्रीवा ने विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ केवल 19 वर्ष की आयु में करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीतकर टेनिस जगत में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी हैं। यह रिकॉर्ड मोनिका सेलेस के नाम है जिन्होंने 18 वर्ष की आयु में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था।

लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किए

मैच के अंतिम क्षण में जब विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज आंद्रीवा ने बैकहैंड क्रॉस कोर्ट विनर लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तो वह भावुक होकर क्ले कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और जीत का जश्न मनाया। दूसरी ओर क्वालीफायर से फाइनल तक का सफर तय करने वाली च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूक गईं। वह रोलां गैरो में खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। आंद्रीवा को टेनिस जगत में पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण आंद्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली।

भारत ने छठी बार सैफ महिला चैंपियनशिप का खिताब जीता

फाइनल में बांग्लादेश को 3-1 से हराया

मडगांव (भाषा)। भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में बांग्लादेश पर 3-1 की शानदार जीत के साथ छठी बार सैफ महिला चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। भारत ने सात साल बाद यह ट्रॉफी जीती। टीम के लिए प्यारी खाखा (42वें मिनट), सौम्या गुगुलोथ (46वें मिनट) और लिंडा कोम सेर्टो (82वें मिनट) ने गोल किए। बांग्लादेश के लिए एकमात्र गोल रितु पोर्ना चकमा (45+2वें मिनट) ने किया। मेजबान टीम ने ग्रुप चरण में भी इसी प्रतिद्वंद्वी को 3-0 से हराया था। भारत ने टूर्नामेंट में चारों मैच जीतकर अभियान समाप्त किया। उन्होंने 19 गोल किए और सिर्फ एक गोल खाया जिससे टूर्नामेंट में उनका दबदबा साफ दिखा। भारतीय टीम ने मालदीव पर 11-0 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी और फिर बांग्लादेश को 3-0 से हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। लगातार पांच बार खिताब जीतने के बाद भारत पिछले दो चरणों में फाइनल तक भी नहीं पहुंच पाया था। बांग्लादेश ने इन दोनों मौकों (2022 और 2024) पर नेपाल को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

आयरलैंड इंग्लैंड एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का ऐलान

बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20 कप्तान, टीम में सूर्यवंशी की एंट्री

मुंबई

भारतीय टी20 क्रिकेट में रविवार को बदलाव की नई बयार देखने को मिली जब श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया। महज 15 वर्ष और 71 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उस समय उनकी उम्र 16 वर्ष और 205 दिन थी।

टीम इंडिया खेलेगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 श्रृंखला में हिस्सा लेगी। अय्यर की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी 3 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार हुई है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उसी दिन बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

सूर्यवंशी का चयन लगभग तय माना जा रहा था। इस युवा बल्लेबाज ने 2026 आईपीएल सत्र में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जड़े तथा 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। अगरकर ने बिहार के इस युवा खिलाड़ी की मैच का रुख बदलने की क्षमता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है।'

आयरलैंड और इंग्लैंड टी-20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

एशियाई खेलों के लिए: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वैभव सूर्यवंशी।

श्रीलंका दौरे के टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, आयुष बदोनी, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, एन जगदीशन, अभय नेगी, मानव सुथार और जीशान अंसारी।

पहले दिन केएल राहुल और गिल ने जड़ा शतक

चंडीगढ़। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं। पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा।

पे-रोल लिंक्ड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंक्ड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को नई दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।

सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में SIP के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंक्ड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किस्तें छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक SIP जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंक्ड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव
बिजनेस डेस्क

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होते ही अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्टोरेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरुआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अच्छा वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग है

कम उम्र में कई लोग ऐसे उत्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का वादा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।

इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी

सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज कमाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।

अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एंप्लॉयड लोगों के लिए राहत
- एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जानें सेक्शन 80जीजी नियम
- छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी
- छोटी-सी चूक पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें

बचत मंत्र
बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेक्शन 80जीजी

सेक्शन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के नाम कोई आवासीय मकान नहीं होना चाहिए। आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले या उसके साथ ऑनलाइन फॉर्म 10बीए जमा करना अनिवार्य है। करदाता को पुरानी टैक्स व्यवस्था का चयन करना होगा। यदि इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो टैक्स विभाग छूट के दावे को अस्वीकार कर सकता है।

एचआरए और सेक्शन 80जीजी में अंतर

कई लोग एचआरए और सेक्शन 80जीजी को एक जैसा समझते हैं, जबकि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है। नौकरीपेशा कर्मचारियों को मिलने वाली एचआरए छूट उनके वेतन, शहर और वास्तविक किराए के आधार पर निर्धारित होती है। इसकी किसी निश्चित अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। इसलिए उच्च वेतन वाले कर्मचारियों को बड़ी टैक्स छूट मिल सकती है। वहीं, सेक्शन 80जीजी के तहत मिलने वाली छूट की एक निर्धारित अधिकतम सीमा है। चाहे कोई व्यक्ति जलमहल में कितना भी अधिक किराया क्यों न चुका रहा हो, उसे एक निश्चित सीमा से अधिक टैक्स लाभ नहीं मिल सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार सेक्शन 80जीजी के तहत अधिकतम 60,000 रुपये वार्षिक यानी 5,000 रुपये प्रतिमाह तक की ही छूट उपलब्ध है।

ऐसे होता है टैक्स छूट का कैलकुलेशन

धारा 80 जीजी के तहत मिलने वाली टैक्स छूट तीन अलग-अलग गणनाओं के आधार पर तय की जाती है। इनमें से जो राशि सबसे कम होती है, वही अंतिम डिडक्शन के रूप में स्वीकार की जाती है।

- पहला फॉर्मूला : 5,000 रुपये प्रति माह या 60,000 रुपये प्रति वर्ष
- दूसरा फॉर्मूला : समायोजित कुल आय का 25 प्रतिशत
- तीसरा फॉर्मूला : पूरे वर्ष में दिया गया वास्तविक किराया
- माइनस कुल आय का 10 प्रतिशत
- इन तीनों में जो सबसे कम राशि होगी, वही टैक्स छूट के रूप में मिलेगी।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्ष जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा

नियमित निवेश के साथ बढ़ता है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैच्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुश्त निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

निवेशक अक्सर कर बैठते हैं ये सामान्य गलतियां

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कई निवेशक कुछ छोटी-छोटी गलतियों के कारण पीपीएफ का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। सबसे आम गलती 5 तारीख के बाद पैसा जमा करना है। इससे उस महीने का ब्याज नहीं मिल पाता और लंबे समय में रिटर्न प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ निवेशक सालाना न्यूनतम निवेश की शर्त भूल जाते हैं। पीपीएफ खाते को सक्रिय बनाए रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है। वहीं कई लोगों को यह भ्रम रहता है कि पीपीएफ की ब्याज दर 15 वर्षों तक एक जैसी बनी रहती है, जबकि ऐसा नहीं है।

ब्याज दरों में समय-समय पर हो सकता है बदलाव

वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। हालांकि यह दर स्थायी नहीं होती। केंद्र सरकार हर तिमाही इसकी समीक्षा करती है और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव कर सकती है। इसलिए निवेशकों को यह समझना चाहिए कि भविष्य में मिलने वाला वास्तविक रिटर्न ब्याज दरों में होने वाले संभावित बदलावों पर भी निर्भर करेगा। फिर भी सरकारी सुरक्षा और टैक्स लाभ के कारण पीपीएफ को कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है।

15 वर्षों में कितना फंड बनेगा

यदि कोई निवेशक 15 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करता है, तो मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर मैच्योरिटी पर उसके पास लगभग 15 से 16 लाख रुपये का टैक्स फ्री फंड तैयार हो सकता है। वहीं यदि मासिक निवेश 10,000 रुपये हो, तो यह राशि 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। जो निवेशक हर वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सीमा तक निवेश करते हैं, उनके लिए 15 वर्षों में 40 लाख रुपये से अधिक का कोष तैयार होने की संभावना रहती है। हालांकि वास्तविक राशि उस दौरान लागू ब्याज दरों पर निर्भर करेगी।

जारी रख सकते हैं निवेश

पीपीएफ की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 15 वर्ष की मूल अवधि पूरी होने के बाद भी खाता बंद करना अनिवार्य नहीं है। निवेशक इसे पांच-पांच वर्षों के ब्लॉक में आगे बढ़ा सकते हैं। वे चाहें तो नए निवेश के साथ खाते को जारी रख सकते हैं या बिना अतिरिक्त निवेश के भी जमा राशि पर ब्याज प्राप्त करते रह सकते हैं। इससे कंपाउंडिंग का लाभ और अधिक समय तक मिलता रहता है तथा रिटायरमेंट जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प

म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और कई अन्य निवेश विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। इसके विपरीत पीपीएफ बाजार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। साथ ही इसमें निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम तीनों टैक्स फ्री होती हैं।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है।

क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरनेशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की उतार-चढ़ाव से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

जल है तो कल है, वन है तो जीवन है : सीडीओ

हरित भविष्य का संकल्प, प्रकृति संरक्षण का सतत् प्रयास :- सीडीओ

-जिला गंगा समिति द्वारा जन कल्याण एवं जन जागरूकता के लिए किया जन वृक्षारोपण

-वन महोत्सव व वृक्षारोपण महाअभियान-2026 के तत्वाधान में जिला गंगा समिति के सदस्यों द्वारा हुआ वृक्षारोपण :- डीएफओ

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वन महोत्सव, वृक्षारोपण महाअभियान–2026 के तत्वाधान में जिला गंगा समिति के सदस्यों ने विकास भवन प्रांगण में प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मॉ के नाम' आह्वान व मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश मे 35 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्य के अन्तर्गत सफलतापूर्वक वृक्षारोपण किया गया।

सामाजिक वानिकी प्रभाग झांसी परिक्षेत्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस–2026, जिसका थीम है–'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' आधारित वृक्षारोपण का जिला गंगा समिति द्वारा विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने 'एक पेड़ मॉ के नाम' अन्तर्गत विकास भवन प्रांगण में वृक्षारोपण कर पर्यावरणीय संचेतना का संदेश दिया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के सभी घटक एक–दूसरे से जुड़े हुए हैं और जीवन चक्र का अभिन्न हिस्सा हैं किंतु उनकी सर्वाधिक उपेक्षा की गई है, और उसी उपेक्षा की कीमत आज विश्व मानवता चुका रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और धरती को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय यह है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले कारकों से दूरी बनाए तथा उनकी रक्षा के लिए हर संभव प्रयास में अपना योगदान दें। आयोजित कार्यक्रम में प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार आर्य ने अपनी मॉ के नाम एक पेड़ लगाते हुए स्वच्छ पर्यावरण के संकल्प के साथ हरित भविष्य के आधार को तय किया। उन्होने स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता, संवर्धन एवं वृक्षारोपण को जन भागीदारी से जोड़ते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन आन्दोलन बनाने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है। वैदिक श्लोक– माता भूमिः पुत्रोहम् पृथिव्याः, का जिक्र करते हुए बताया कि प्रत्येक भारतीय इस भावना को आत्मसात करता है कि हम सब धरती माता की संतान हैं। प्राचीन भारत से ही हमारे संस्कारों में हमें प्रकृति के प्रति श्रद्धा व संरक्षण का संदेश दिया है। जिला विकास अधिकारी श्री सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 05 से 21 जून 2026 के बीच प्रदेश सहित जनपद में समेकित जन कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान का संचालन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत समस्त कार्यक्रम सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के मूल भाव के अनुरूप संचालित किये जायेंगे। विश्व पर्यावरण के दिवस के तत्वाधान में जिला गंगा समिति द्वारा प्रधानमंत्री की अपील के अनुसार सम्पूर्ण प्रदेश में एक पेड़–माँ के नाम अभियान के अन्तर्गत जनपद झॉसी के समस्त 08 विकास खण्डों तथा समस्त ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत राज अधिकारी डॉ0 बालगोविंद श्रीवास्तव ने जिला गंगा समिति के माननीय सदस्यों को बताया कि जनपद की 496 ग्राम पंचायतों में लगातार वृक्षारोपण के साथ प्लास्टिक रोको कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि आइए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और समृद्ध भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर डीपीओ सुरेंद्र कुमार पटेल, उप प्रभागीय वनाधिकारी संतोष कुमार, क्षेत्रीय वनाधिकारी विमलेश कुमार, स्टेनो श्री राजेन्द्र कुमार पटैरिया, आयुष रवींद्र भारती सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एम एल सी प्रतिनिधि आर पी निरंजन ने किया मुख्यमंत्री वाहन योजना के अंतर्गत बस सेवा का शुभारंभ

-क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा

(यंग भारत न्यूज)

बामौर। विधान परिषद सदस्य प्रतिनिधि आर.पी. निरंजन ने विधान परिषद क्षेत्र जनपद झांसी की गरौठा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत विलाटी खेत (वाया गुरसराय) से झांसी तक संचालित होने वाली बस सेवा का मुख्यमंत्री वाहन योजना के अंतर्गत हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र के नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर.पी. निरंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री वाहन योजना के तहत शुरू की गई यह बस सेवा क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को झांसी तक आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार से जुड़े अवसरों तक उनकी पहुंच और अधिक सुलभ होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर परिवहन सुविधाओं से जोड़ने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि नियमित बस संचालन से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, किसानों एवं व्यापारियों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही ग्रामीण अंचलों का शहर से बेहतर संपर्क स्थापित होगा, जिससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख बामौर प्रतिनिधि केशव सिंह परिहार, पुष्पेन्द्र पटेल भड़ोकर, पुष्पेंद्र दुबे मण्डल अध्यक्ष भाजपा, प्रताप नायक (प्रधान सगोली) सहित ग्राम एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने बस सेवा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम का समापन उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

सप्ताह में एक दिन वाहन छोड़कर सिर्फ साइकिल चलाने तथा पर्यावरण की रक्षा करने की ली प्रतिज्ञा

क्रीड़ा भारती कानपुर प्रांत ने किया साइकिल रैली का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रविवार को प्रात: 6:30 विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में क्रीड़ा भारती जिला झांसी कानपुर प्रांत के तत्वाधान में एवं क्षेत्रीय क्रीड़ा संस्थान(ध्यानचंद स्टेडियम), ऋषभ सरावगी मेमोरियल फाउंडेशन तथा एमेच्योर मल्लखम्ब एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संयुक्त सहयोग से साइकिल रैली को ध्यानचंद स्टेडियम से मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी कर्मवीर पटेल ने हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ किया ।विशिष्ट अतिथि सुनील कुमार उप क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्रीड़ा भारती कानपुर प्रांत के कार्यवाहक अध्यक्ष संजीव कुमार सरावगी ने की। अतिथियों का स्वागत एमेच्योर मल्लखम्ब एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के सचिव रवि प्रकाश परिहार, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार पटेल व नीता अवस्थी संयोजक क्रीड़ा भारती ने बैच लगाकर किया। लगभग 130 बालक बालिकाओं ने साइकिल चलाकर प्रतिज्ञा ली कि सप्ताह में एक दिन वाहन छोड़कर सिर्फ साइकिल ही चलाएंगे तथा पर्यावरण की रक्षा करेंगे। इस अवसर पर अनुष्का यादव, सुषमा, सोनिया कुशवाहा, विकास वैद्य, अंकुर राणा, नीतीश राज, विष्णु, सुजीत, कपिल, आशीष, रामकृष्ण निरंजन, योगेंद्र रिछारिया ओम साहू, गोविंद देव रिछारिया आदि उपस्थित रहे। संचालन संजीव कुमार त्रिपाठी ने किया।

सड़क निर्माण का हुआ भूमि पूजन एवं शिलान्यास

(यंग भारत न्यूज)

बामौर। क्षेत्र के विकास और आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में रविवार 7 जून को एमएलसी निधि (राज्यांश) से स्वीकृत 01 किमी सड़क का एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में सड़क निर्माण कार्य का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सोनू शास्त्री ने पूरे विधि–विधान से भूमि पूजन एवं शिलान्यास संपन्न कराया।एमएलसी प्रतिनिधि का ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रताप नायक ने फूल–मालाओं से जोरदार स्वागत कर आभार व्यक्त किया।भूमि पूजन के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने कहा कि इस सड़क के निर्माण से स्थानीय निवासियों और राहगीरों को जलभराव,कीचड़ और गड्ढों की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। यह सड़क न केवल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी,बल्कि स्थानीय विकास को भी नई गति देगी। क्षेत्र का चहुंमुखी विकास और आम जनता को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना ही हमारा मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने कहा, 'यह सड़क सिर्फ निर्माण नहीं है,बल्कि यह क्षेत्र के विकास की जीवन रेखा है। हमारा प्रयास है कि कोई भी मजरिया पक्की सड़क से अछूता न रहे।सड़क निर्माण का शुभारंभ होने से पूरे क्षेत्र के नागरिकों में भारी उत्साह और हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इस सराहनीय कार्य के लिए नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद गरौठा विधानसभा प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र पटेल भड़ोकर,केशव सिंह ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बामौर,संजय गुप्ता प्रधान बामौर,कृष्ण पाल सिंह कल्लू प्रधान प्रतिनिधि बरमपुरा,उमाशंकर द्विवेदी ठेकेदार,प्रीतम प्रधान सगौली,अवध किशोर रिछारिया,मंडल अध्यक्ष बामौर पुष्पेन्द्र दुबे,ज्ञानसिंह,नन्ना महाराज,नातीराजा यादव,पूर्व प्रधान सगौली जवाहर लाल,मुहर सिंह पटेल,राजेश पटेल प्रधान प्रतिनिधि सरसैड़ा,अनुज द्विवेदी प्रधान नागर,कुलदीप यादव प्रधान गैदा कबूला,भगवती शरण कौशिक,मुलायम सिंह,धर्मेंद्र पटेल,उत्तम पटेल ठेकेदार,अखंड प्रताप सिंह,सुशांत घोष,मनीष राजपूत,लवकांत नायक,मुकेश नायक,शिवराम नेता,भवानी प्रताप, देवनारायण,नंदकिशोर माते,कन्हैया महाराज,बलराम नायक,संजू राजा,रमाशंकर मनीष पटसरिया,सुंदर नायक,रामकृष्ण नायक,राजेश महाराज,पुष्पेंद्र मुखिया,प्रमोद नायक,संतोष पंडा,संतोष नायक,भास्कर नायक,दीपू नायक,राहुल नायक,कौशल नायक सहित क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी,भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश दाऊ ने किया। अंत में आये हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रताप नायक ने किया।

समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने खोला कथित करोड़ों की ठगी का जाल, आरोपी पर पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। समाजसेवा और जनहित के कार्यों के लिए चर्चित संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक डॉ. संदीप सरावगी ने एक कारोबारी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने रेलवे ठेकों, निर्माण कार्यों और व्यापारिक साझेदारी के नाम पर विश्वास हासिल कर लगभग 62 लाख रुपये हड़प लिए और रकम वापस मांगने पर जान से मारने तथा झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी।

शिकायत के अनुसार आरोपी ने स्वयं को रेलवे ठेकेदार और बड़े कारोबारों से जुड़ा व्यक्ति बताते हुए डॉ. सरावगी का विश्वास जीता। बाद में विभिन्न परियोजनाओं में साझेदारी और लाभ का लालच देकर कई किश्तों में बड़ी धनराशि प्राप्त कर ली। आरोप है कि जब रकम वापस मांगी गई तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा और बाद में धमकियों का सहारा लेने लगा। मामले को और गंभीर बनाते हुए डॉ. सरावगी ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हो चुके हैं। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार एक मामले में आवासीय संपत्ति की रजिस्ट्री कराने के नाम पर लाखों रुपये लेने, बाद में न तो रजिस्ट्री करने और न ही रकम लौटाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं एक अन्य मामले में व्यापारिक साझेदारी, निर्माण सामग्री सप्लाई और निवेश के नाम पर लगभग 95.39 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल तथा धमकी देने के आरोपों में थाना प्रेमनगर में विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई। डॉ संदीप का दावा है कि इन मामलों की जानकारी मिलने के बाद उसे विश्वास हो गया कि उसके साथ भी सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी की गई है। डॉ. संदीप सरावगी का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो अन्य लोग भी ऐसे कथित जालसाजी के शिकार हो सकते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

व्यापारी संपर्क अभियान के अंतर्गत,व्यापारियों से संवाद स्थापित कर, बाजारों में समस्याओं का करेंगे निदान, प्रत्येक बाजार में होगी चाय पर चर्चा !

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। आज उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के केंद्रीय कार्यालय पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी की अध्यक्षता में व्यापारियों की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई, जिसमें विभिन्न विभाग जीएसटी राज्य, केंद्रीय जीएसटी, नगर निगम, विद्युत विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, नगर निगम से संबंधित व्यापारी हुई समस्याओं को अधिकारियों से मिलकर उनका निदान किया जाएगा, बैठक में तय किया गया कि प्रत्येक बाजारों में संवाद स्थापित कर चाय पर चर्चा के माध्यम से उनकी समस्याओं को सुनकर संबंध विभाग में उनका निराकरण कराया जाएगा,

बैठक में यह भी तय किया गया कि नगर निगम द्वारा लाइसेंस शुल्क का व्यापारी विरोध करेंगे, एवं बाजारों में यूजर चार्ज पर भी अधिकारियों से समन्वय बैठक कर इसका समाधान किया जाएगा बैठक में कैट के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह दांगी, अरुण गुप्ता, दिलीप अग्रवाल प्रभु दयाल साहू, संजय चड्ढा, संजय सराफ, कैट के जिला अध्यक्ष अभिषेक सोनकिया, अंकुर बट्टा, संजय गुप्ता, कृष्णा राय, देवदत्त बिघौलिया, मानसिंह पाल, उदय नारायण सिंह, लकी कुशवाहा आदि उपस्थित रहे ! संचालन पंकज शुक्ला एवं आभार डॉ विवेक बाजपेई ने व्यक्त किया !

विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार रक्षा संगठन के तत्वावधान में प्रदेश कार्यालय, सिद्धेश्वर नगर स्थित आभा क्लिनिक, आईटीआई, सीपरी बाजार, झांसी में एक विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. वी.के. निरंजन जी रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बुंदेलखंड अध्यक्ष श्री विनोद कुमार निरंजन जी ने की। विचार गोष्ठी के दौरान जनमानस के मानवाधिकारों की रक्षा एवं संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसके साथ ही भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए पशु–पक्षियों एवं अन्य जीव–जंतुओं के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था किए जाने तथा मलिन बस्तियों में जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी विचार–विमर्श किया गया। बैठक में आगामी 18 जून को महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस को गरिमामय एवं भव्य रूप से मनाए जाने की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर संगठन द्वारा श्री अतीक खान को झांसी मंडल अध्यक्ष पद का नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर युवा महानगर अध्यक्ष श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने उपस्थित सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में डॉ. अनुभव सचान, श्री इंदर नारायण, श्री आशीष पटेरिया, श्री नौशाद खान, श्री सलमान खान, श्री रफीक खान, श्री संजय खान, श्री पंकज पांडेय सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

चलते-चलते : पंजाब की युवती ढूंढ रही झांसी में बुंदेलखंडी ढोंगी को

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। वाह–वाह बाबा ! हाल ही में अशोक खरात ने डेढ़ सौ युवतियों के वीडियो के राज खोलकर पूरे देश में लोगों के कान खड़े कर दिए। ऐसा ही एक ढोंगी तथा कथित बाबा बुंदेलखंड के झांसी में भी बताया जा रहा है जिसे पंजाब की एक युवती जोर–शोर से ढूंढ रही है। कमाल की बात तो यह है कि अपना उल्लू सीधा करने के लिए तथाकथित ढोंगी ने उसे अपनी राजनीतिक पकड़ और सब्ज बाग दिखाते हुए उसका खूब फायदा उठाया। सूत्रों का यहां तक कहना है कि उसे बनारस से लेकर गुवाहाटी तक खूब घुमाया फिराया। अब वह घूम घूम कर उस तथा कथित ढोंगी को तलाशने में जुटी हुई है। इसके लिए उसके झांसी में कई लोगों के पास लगातार फोन भी आ रहे हैं। यह अलग बात है कि ऐसे तमाम लोग अंतोगत्वा सलाखों के पीछे पश्चाताप करते नजर आते हैं। फिलहाल ढोंगी बाबा का क्या हस्र होगा यह वक्त बताएगा। सूत्र बताते हैं कि तथाकथित ढोंगी बाबा का एक लंबा आपराधिक इतिहास है। फिलहाल ढोंगी बाबा सड़क पर फर्राटेदार कारों से लेकर हवाई जहाज तक की यात्रा करने के लिए चर्चित हैं और हाल ही में एक बड़े आयोजन के सहारे चंदे के कारण चर्चा में भी रहे हैं। चर्चा तो यह भी है की बड़बोले बाबा बड़े चुनाव की तैयारी में है। यही नहीं बड़े–बड़े नेताओं से लेकर कई संतों तक के साथ उनकी तस्वीर देखकर लोग भ्रम में आ जाते हैं। हाल ही में एक व्यक्तिगत कार्यक्रम में उनका सार्वजनिक अभिनंदन होते–होते रह गया।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718